



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷிண் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बंगलूर से एक साथ प्रकाशित



5 गाल में भाजपा का सा में आना तय, सौटियों को वापस भेजा जाएगा : शाह

6 बंगाल में रकरंजित चुनाव की आहट

7 कफर्ट और पर्सनैलिटी ही मेरे लिए फैशन : सहर बंबा

फर्स्ट टेक

'टटीरी' गाने को लेकर बादशाह ने एनसीडब्ल्यू से माफी मांगी

नई दिल्ली/बाधा। रैप गायक बादशाह ने मंगलवार को अपने गीत 'टटीरी' को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) से माफी मांगी और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम करने का वादा किया, जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की 50 लड़कियों की शिक्षा प्रायोजित करना शामिल है। आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया, जिन्हें बादशाह के नाम से जाना जाता है, पिछले महीने 'टटीरी' गीत जारी होने के बाद विवादों में आ गए थे। वह इस गीत को लेकर आयोग के समक्ष पेश हुए। सुनवाई के दौरान निर्देशक जोबन संधू और महावीर सिंह तथा निर्माता हितेश भी मौजूद थे। सुनवाई की अध्यक्षता एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया शहादकर ने की। उन्होंने कहा कि गीत के बोल और प्रस्तुति से महिलाओं की गरिमा और शालीनता को ठेस पहुंची है। शहादकर ने महिलाओं की गरिमा को हुए नुकसान पर गहरी चिंता जताई और संबंधित पक्षों को निर्देश दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मणिपुर में चार जिलों में कर्फ्यू लगाया गया

इंफाल/बाधा। मणिपुर सरकार ने एक बम विस्फोट में दो बच्चों की मौत के बाद हुई हिंसा के मद्देनजर मंगलवार को इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर और काकचिंग जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर और काकचिंग के जिलाधिकारियों ने मंगलवार से अपने-अपने जिलों में कर्फ्यू लागू करने का आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है, "सात अप्रैल से अगले आदेश तक किसी भी व्यक्ति का अपने निवास स्थान से बाहर निकलना प्रतिबंधित है।"

लश्कर के अंतरराज्यीय आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

श्रीनगर/बाधा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा (एलटीई) के एक अंतरराज्यीय आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए पिछले 16 साल से फरार अब्दुल्ला उर्फ अबू इरुंरा समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, अब्दुल्ला के अलावा एक अन्य पाकिस्तानी आतंकी उरमान उर्फ खुबैब को भी इस बड़े अभियान में गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा फरीदाबाद के अल फलाह विश्वविद्यालय में स्थित एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के छह महीने बाद हुई है।

महिला नेतृत्व वाली शासन व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है भारत : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बाधा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा हर तरह से महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि राजग सरकार द्वारा लाए गए महिला आरक्षण अधिनियम के साथ, भारत अधिक नारी-नेतृत्व वाली शासन व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी द्वारा "महिलाओं के विधायी नेतृत्व को बढ़ावा देना" विषय पर एक समाचार पत्र में लिखे लेख पर की। लेख में अन्नपूर्णा देवी ने रेखांकित किया है कि "महिलाओं का अधिक प्रतिनिधित्व मजबूत, अधिक समावेशी शासन और एक विकसित भारत की कुंजी है"। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "प्रतिनिधित्व का वास्तविक प्रभाव



- राजग सरकार ने हमेशा महिलाओं को हर तरीके से सशक्त करने को प्राथमिकता दी है
- प्रधानमंत्री ने शनिवार को संसद के बजट सत्र को तीन दिनों के लिए यानी 16 अप्रैल से 18 अप्रैल तक बढ़ाने की घोषणा की
- प्रधानमंत्री ने सभी दलों से "देश की माताओं और बहनों का विश्वास जीतने में भागीदार बनने" की अपील की।

पूरी होने के बाद लागू होगा। प्रधानमंत्री ने शनिवार को संसद के बजट सत्र को तीन दिनों के लिए यानी 16 अप्रैल से 18 अप्रैल तक बढ़ाने की घोषणा की, ताकि महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन किया जा सके और इसे 2023 में मंजूरी दी थी, जिसके जरिये लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया है। संविधान में संशोधन करके लाया गया यह कानून निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया

संसद के तीन दिवसीय सत्र में इस संबंध में कानून में संशोधन किए जाने की उम्मीद है। मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से खुले मन से और बिना किसी राजनीतिक नका-नुकसान का आकलन किए बिना संबंधित विधेयकों का पूर्ण समर्थन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह "सशक्तिकरण से संबंधित मुद्दा है"। प्रधानमंत्री ने सभी दलों से "देश की माताओं और बहनों का विश्वास जीतने में भागीदार बनने" की अपील की।

जायसवाल का अर्धशतक

रॉयल्स ने मुंबई इंडियन्स को हराकर जीत की हैट्रिक बनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

गुवाहाटी/बाधा। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के धमाकेदार अर्धशतक के बाद रोडबाजों के उम्दा प्रदर्शन से राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के वर्ष से प्रभावित 11 ओवर के मैच में मंगलवार को यहां मुंबई इंडियन्स को 27 रन से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की और छह अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई।

बारिश के कारण मुकामला दो घंटे और 40 मिनट के विलंब से शुरू किया जिसके कारण इसे 11 ओवर का कर दिया गया। रॉयल्स के 151 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की टीम कभी लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में नहीं दिखाई और नौ विकेट पर 123 रन ही बना सकी।



इंडियन प्रीमियर लीग

मुंबई की ओर से नमन धीर (25) और शेरफेन रदरफोर्ड (25) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। रॉयल्स की ओर से नांदे बर्गर (21 रन पर दो विकेट), रवि बिश्रॉई (25 रन पर दो विकेट) और संदीप शर्मा (26 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाए।

जायसवाल ने इससे पहले 32 गेंद में चार छकों और 10 चौकों से नाबाद 77 रन की पारी

टोल प्लाजा पर अब नकद में नहीं होगा भुगतान, यूपीआई से देना होगा अधिक शुल्क

नई दिल्ली/बाधा। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कहा है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर 10 अप्रैल से टोल प्लाजा पर नकद भुगतान नहीं होगा। मंत्रालय ने राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना में कहा है कि यदि कोई वाहन वैध फास्टेज के बिना टोल प्लाजा में प्रवेश करता है, तो उपयोगकर्ता एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं। लेकिन उन्हें लागू टोल शुल्क का 1.25 गुना भुगतान करना होगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआरआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस कदम का उद्देश्य टोल प्लाजा पर लंबी कतारों को कम करना और यात्रियों के लिए राजमार्ग यात्रा को सुगम बनाना है। अधिकारी ने कहा कि 10 अप्रैल से टोल बूथ पर नकद भुगतान स्वीकार नहीं किया जाएगा और फास्टेज टोल वसूली का प्राथमिक माध्यम बना रहेगा। वैध फास्टेज के बिना आने वाले वाहनों के लिए यूपीआई वैकल्पिक भुगतान विकल्प के रूप में काम करेगा।

समय बताएगा कि कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन आसन्न है या नहीं : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

दुबली (कर्नाटक)/बाधा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के बाद राज्य को नया मुख्यमंत्री मिलेगा या नहीं, यह तो समय ही बताएगा। बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण विधानसभा सीटों पर नौ अप्रैल को उपचुनाव होंगे। वरिष्ठ कांग्रेस विधायकों एच.वाई. मेती और शम्भूर शिवशंकरप्पा के निधन के कारण ये उपचुनाव कराए जा रहे हैं। शिवकुमार ने उपचुनाव के बाद उनके मुख्यमंत्री बनने और नेतृत्व परिवर्तन होने के बारे में पूछे



दूसरों के बयानों पर टिप्पणी नहीं करना चाहता हूँ। मैं पार्टी अध्यक्ष हूँ... इस मामले पर या तो मुख्यमंत्री या मुझे बोलना होगा। हम दोनों के अलावा बाकी लोग जो कहेंगे, वह अप्रासंगिक है।" अपने धैर्य के पीछे का राज पूछे जाने पर शिवकुमार ने जवाब दिया, "समय इसका जवाब देगा।" हाल ही में सिद्धरमैया ने कहा था कि कांग्रेस सरकार दो और वर्षों तक सत्ता में रहेगी और वह राज्य के मुख्यमंत्री हैं। बीस नवंबर, 2025 को कांग्रेस सरकार के पांच वर्षीय कार्यकाल का आधा समय पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री परिवर्तन की अटकलों के बीच सत्ताधारी पार्टी के भीतर नेतृत्व की खींचतान तेज हो गई है।

कोई विधर्मी भारत का राजा नहीं हो सकता, सिर्फ एक ही सनातन राजा राम : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

मथुरा/बाधा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि भारत का असली राजा कोई बाहरी या विधर्मी नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि भारत के एक ही राजा हैं सनातन राजा राम और राम के अलावा कोई और नहीं।

योगी मंगलवार को वृन्दावन के मल्लू पीठ में मल्लू दास जी महाराज की 452 वीं जयंती के अवसर पर श्री सीताराम निरंजुन अय्याम लीला महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत तुलसीदास ने भी इसी सिद्धांत को अपनाया। उन्होंने कहा कि मुगल सम्राट अकबर के समय लोभ-लालच से तुलसीदास को दरबार में बुलाने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कहा, भारत का राजा तो एक ही है राम। योगी ने कहा कि आज भी रामलीला के मंचों से यही नारा सुनाई देता है बोलो राजा रामचंद्र की जय और यह नारा मुगल काल में संत तुलसीदास ने ही दिया था। मुख्यमंत्री ने संत मल्लू दास को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके समय भारत विदेशी आक्रांताओं की क्रूरता से जूझ रहा था। उन्होंने कहा कि 452 वर्ष पहले प्रयागराज के कड़ाधाम में उन्होंने भक्ति की दिव्य ज्योति प्रकट



■ भारत के संतों ने कभी भी अपने मूल्यों और आदर्शों से समझौता नहीं किया तथा वही जागृत चेतना आज के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक भारत की नींव है।

की, जो राष्ट्रवाद और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक बनी। योगी ने कहा कि संत मल्लू दास ने भारत की वैष्णव रामानंदी परंपरा को आगे बढ़ाया और मुगल काल के चार सम्राटों अकबर, जहांगीर, शाहजहां और औरंगजेब के समय की क्रूरता देखी। उन्होंने कहा कि भारत के संतों ने कभी भी अपने मूल्यों और आदर्शों से समझौता नहीं किया तथा वही जागृत चेतना आज के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक भारत की नींव है। योगी आदित्यनाथ ने संतों की उपस्थिति में सनातन समाज से एकजुट होने का आह्वान किया। रामनगरी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि 2017 के पहले

अमेरिका ने ईरान के तेल उद्योग के लिए अहम खार्ग द्वीप पर फिर से हमला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

वॉशिंगटन/एपी। अमेरिका ने एक बार फिर ईरान के तेल उद्योग के लिए अति अहम खार्ग द्वीप पर हमला किया है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पहचान गुप्त रखने की शर्त पर यह जानकारी दी। अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि अमेरिका ने द्वीप पर स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। ये हमले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को मांगों को मानने या बड़े हमले का सामना करने के लिए निर्धारित की गई समय सीमा से कुछ घंटे पहले हुए।

ट्रंप ने पूरी ईरानी सभ्यता खत्म करने की धमकी दी

इस बीच ट्रंप ने मंगलवार सुबह एक बार फिर धमकी दी कि



अगर ईरान ने समझौता नहीं किया तो "पूरी सभ्यता आज रात ही खत्म हो जाएगी"। ट्रंप ने द्वीप पर महत्वपूर्ण तेल अवसंरचना पर कब्जा करने के लिए जमीन पर सैनिकों को भी उतारने की धमकी दी है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के अभियान में कई अमेरिकी सैन्य कर्मियों की जान जाएगी और यह युद्ध को समाप्त करने की दिशा में निर्णायक कदम नहीं होगा।

ईरान के शासन को कुचल रहा है इजराइल : नेतन्याहू

यरुशलम/बाधा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेजायिन नेतन्याहू ने मंगलवार को कहा कि उनका देश

"ईरान में शासन को पूरी ताकत से कुचल रहा है" और यह भी कहा कि तेहरान के खिलाफ इजराइली हमला वहां के लोगों के खिलाफ नहीं है। नेतन्याहू ने कहा, "मैं आपको लगातार बताता रहता हूँ कि हम ईरान में आतंकवादी शासन को कुचल रहे हैं। लेकिन हम यह और भी अधिक जोरदार तरीके से कर रहे हैं।" उन्होंने कहा, "कल हमारे पायलटों ने ईरानी वायुसेना के अड्डे पर परिहहन विमानों और दर्जनों हेलीकॉप्टरों को नष्ट कर दिया। आज उन्होंने रिवायूशानरी गार्ड द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली रेल पटरियों और पुलों पर हमला



किया। वे इनका इस्तेमाल हथियारों के लिए कच्चे माल, हथियारों और उन लोगों को ले जाने के लिए करते हैं जो हम पर, अमेरिका पर और इस क्षेत्र के देशों पर हमला करते हैं। ये वही लोग हैं जो ईरानी जनता पर भी अत्याचार करते हैं।" नेतन्याहू ने कहा, "ये कार्रवाइयां, जिन्हें मैंने रक्षा मंत्री के साथ मिलकर मंजूरी दी है, ईरानी जनता पर हमला करने के इरादे से नहीं की गई हैं।"



'नफरत और विभाजन' की राजनीति करते हैं मोदी : खरगे

कोलकाता/बाधा। कांग्रेस

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाया कि वह "समुदायों के बीच नफरत और विभाजन की राजनीति पर फलते-फूलते हैं" और "धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर बंगाल में सत्ता हासिल करना चाहते हैं।" पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए खरगे ने कहा कि मतदाताओं के पास तीन विकल्प हैं—तृणमूल कांग्रेस का भ्रष्टाचार आधारित प्रशासन, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नफरत और ध्रुवीकरण की राजनीति तथा कांग्रेस का कल्याण, रोजगार और सुधार केंद्रित मॉडल। उन्होंने कहा,

"प्रधानमंत्री मोदी समुदायों के बीच नफरत और विभाजन को बढ़ावा देते हैं। वह ध्रुवीकरण के आधार पर सत्ता हथियाना चाहते हैं। लोगों को अल्पकालिक राजनीति और दीर्घकालिक प्रगति में से किसी एक को चुनना होगा।" खरगे ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पश्चिम बंगाल में 15 साल सत्ता में रहने के बावजूद राज्य में विकासवात्मक बदलाव लाने में विफल रही। उन्होंने कहा कि (तृणमूल शासन में) न तो राज्य के पास स्थिति को बदलने की कोई योजना है और न ही भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने खोखली बातों के अलावा इस बारे में कुछ किया है।

08-04-2026 09-04-2026
सूर्योदय 6:20 बजे सूर्यास्त 6:00 बजे

BSE 74,616.58 (+509.73)
NSE 23,123.65 (+155.40)

सोना 15,428 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम
चांदी 243,000 रु. प्रति किलो

मिशान मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com



केलाशा मण्डेला, मो. 9828233434

दोषी कौन ?

घोषित अयोग्य जन प्रतिनिधि यदि, दोषी जनमत या दल सुजाना, आखिर कब होगा सदनों में, सच्ची शुचिता का प्रावधान। कानून खिलौना है सबका, इसलिए खिलंदड़ सब बयान। हदम कयों दिखता लुंजपुंज, डेमोक्रेसी में संविधान।।

फंडाणीस ने भारत की पहली 'पाँड टैक्सी' परियोजना का शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को भारत की पहली 'पाँड टैक्सी' परियोजना का शिलान्यास किया। यह एक स्वचालित तीव्र पारगमन प्रणाली है, जिसे मुंबई में कुर्ला और बीकेसी के बीच विकसित किया जा रहा है, ताकि दैनिक यात्रियों को अंतिम-छोर तक पहुँच मिल सके।

चेम्बूर स्थित डायमंड गार्डन मेट्रो स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ दोनों उपमुख्यमंत्रियों— एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार ने भी शिरकत की। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास

(एमएमआरडीए) वित्तीय राजधानी के सबसे बड़े व्यापारिक केंद्र तक अंतिम छोर का संपर्क प्रदान करने के लिए कुर्ला और बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के बीच 'पाँड टैक्सी' परियोजना को क्रियान्वित कर रहा है। एमएमआरडीए के अधिकारियों ने बताया कि 8.85 किलोमीटर लंबी स्वचालित तीव्र पारगमन प्रणाली (एआरटीएस) के चरणों में विकसित होने पर अंतिम छोर तक संपर्क को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

परियोजना मार्ग में 22 वातानुकूलित स्टेशन होंगे, जो लगभग 200 मीटर के अंतराल पर स्थित होंगे। इसके पहले चरण में बांद्रा (पूर्वी) और कुर्ला के बीच 3.36 किलोमीटर का हिस्सा



शामिल होगा।

यह प्रणाली एलबीएस मार्ग, कलानगर और बीकेसी जैसे प्रमुख स्थानों को जोड़ेगी, तथा बांद्रा और

कुर्ला उपनगरीय रेलवे स्टेशनों को आपस में मिलाएगी।

'पाँड टैक्सी' में कोई चालक नहीं होगा और एआई-आधारित

यह सेवा एक खास समर्पित मार्ग पर चलेगी तथा बैटरी ऊर्जा से संचालित होगी। हर पाँड में अधिकतम छह यात्री बैठ सकेंगे और यह 40 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से हर 15 सेकंड के अंतराल पर चलेगी। ये 'पाँड' सिर्फ उन स्टेशनों पर रुकेंगे, जिन्हें यात्रियों ने चुना होगा, जिससे सफर और भी तेज एवं अधिक सुगम बन जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि 'पाँड टैक्सी' प्रणाली से यातायात जाम कम होने, यात्रा का समय घटने और पर्यावरण-अनुकूल आवागमन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है; साथ ही, 2031 तक इसके जरिए रोजाना 1.09 लाख से अधिक यात्रियों के सफर करने का अनुमान है।

प्रणाली विकास चक्र सिकुड़ रहा, सामग्री विकास चक्र को तालमेल बिटाना होगा : डीआरडीओ प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



नई दिल्ली/भाषा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के प्रमुख समीर वी. कामत ने मंगलवार को कहा कि सामग्री विकास के क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इसके चक्र में 10-15 साल लगते हैं, जबकि प्रणाली विकास का चक्र 'लगातार सिकुड़ रहा है'। उन्होंने यहां सुब्रतो पार्क में आयोजित एक रक्षा संगोष्ठी में कहा कि जब तक सामग्री विकास चक्र, प्रणाली विकास चक्र के साथ 'कदम से कदम मिलाकर' नहीं चलता, तब तक किसी भी नई सामग्री को जुटाना लगातार अधिक चुनौतीपूर्ण होता जाएगा। डीआरडीओ अध्यक्ष ने कहा, 'सामग्रियाँ प्रमुख सक्षम कारक हैं, चाहे वे प्रणालियों, हथियारों या

संस्तर के लिए हों। यदि आप अपनी वर्तमान क्षमताओं से बढकर क्षमताएं चाहते हैं, तो आपको ऐसी सामग्रियाँ विकसित करनी होंगी जो वह क्षमता प्रदान कर सकें।' उन्होंने भारत को सामग्री विकास की प्रौद्योगिकी के लिए विदेशी देशों पर निर्भर रहने के प्रति आगाह किया। कामत ने कहा, 'आपको यह नहीं मिलेगा। वे आपको यह प्रौद्योगिकी तभी देंगे, जब वे इसे अपनी प्रणाली में इस्तेमाल कर चुके होंगे। और, जब वे अंगीली पीडी की प्रौद्योगिकी पर चले जाएंगे, तब वे आपको अपनी प्रणाली बनाने के लिए जरूरी प्रौद्योगिकी के अलावा-अलग हिस्से देंगे।' डीआरडीओ प्रमुख ने सामग्री विकास क्षेत्र के

को रेखांकित करते हुए कहा, 'तो अगर आपकी आत्मनिर्भर बनने और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बनने की कोई महत्वाकांक्षा है, तो यह एक ऐसा क्षेत्र है-एकमात्र क्षेत्र नहीं, बल्कि एक ऐसा क्षेत्र-जिस पर देश को ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि सामग्री विकास चक्र 10 से 15 साल का होता है। अगर आप देखें, तो प्रणाली विकास चक्र लगातार छोटा होता जा रहा है। आज, हर पांच साल में नई प्रणालियाँ आ जाती हैं, और ड्रोन जैसे क्षेत्रों में, हर कुछ साल में या हर साल चीजें बदल चुके होंगी।' डीआरडीओ अध्यक्ष ने कहा, 'इसलिए, जब तक सामग्री विकास चक्र, प्रणाली विकास चक्र के साथ तालमेल बनाकर नहीं चलता, तब तक नई सामग्री को जुटाना कठिन होता जाएगा।'

'डिलीवरी ऐप' के माध्यम से अवैध रूप से मंगाई जा रही थी शराब, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने 'डिलीवरी ऐप' के माध्यम से संचालित हो रहे अवैध शराब आपूर्ति नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है और हरियाणा से लाई जा रही अवैध शराब जब्त की है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह गिराह ऐप-आधारित ऑनलाइन (रसद) सेवाओं का फायदा उठाकर काम करता था, जिससे आरोपी गुप्त रूप से खेप को राज्य की सीमा के बाहर ले जाते थे और उन्हें राष्ट्रीय राजधानी में स्थानीय शराब तस्करो तक पहुंचा देते थे। पीरागढ़ी चौक के पास अवैध शराब की आवाजाही के संबंध में पांच अप्रैल को मिली विशिष्ट खुफिया जानकारी के बाद इस घटना का खुलासा हुआ। अधिकारी ने बताया, 'सूचना के आधार पर, पश्चिम विहार पूर्व थाने की एक टीम ने घटनास्थल पर जाल बिछाया। निगरानी के दौरान, पुलिस की नजर एक संदिग्ध तिपटिया टेम्पो की ओर गई। रुकने का इशारा करने पर, चालक भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन टीम ने उसे पकड़ लिया।'



प्रवासी मजदूरों के लिए पांच किलो वाले गैस सिलेंडर का दैनिक कोटा दोगुना हुआ

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने पश्चिम एशिया में तनाव के चलते नई आपूर्ति में आई बाधाओं के बीच ईंधन उपलब्धता बनाए रखने के लिए प्रवासी श्रमिकों के लिए बाजार मूल्य वाले पांच किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर का दैनिक कोटा दोगुना कर दिया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने मंगलवार को यहां नियमित प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि छह अप्रैल को जारी पत्र के जरिये राज्यों को दैनिक कोटा बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। यह कोटा मार्च की शुरुआत की औसत दैनिक आपूर्ति का दोगुना कर दिया गया है।

आमतौर पर घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर वाले गैस सिलेंडर के उलट पांच किलोग्राम वाले सिलेंडर बाजार दर पर उपलब्ध होते हैं। दिल्ली में इसकी कीमत 549 रुपये है, जबकि 14.2 किलोग्राम का सिलेंडर 913 रुपये का है। कामकाज की तलाश में आने वाले प्रवासी श्रमिकों के पास अक्सर नियमित एलपीजी कनेक्शन नहीं होता है, इसलिए उन्हें राहत देने के लिए यह कदम उठाया गया है। ये छोटे सिलेंडर एलपीजी वितरक को पहचान पत्र दिखाकर आसानी से खरीदा जा सकता है। शर्मा ने बताया कि 23 मार्च से अब तक पांच किलो वाले करीब 7.8 लाख सिलेंडर की बिक्री हो चुकी है। अकेले सोमवार को ही 1.06 लाख से अधिक छोटे सिलेंडर बिक गए। इसके साथ ही, वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति को भी पश्चिम एशिया संकट से पहले के स्तर के करीब 70 प्रतिशत तक बढ़ाया जा चुका है और जमाखोरी एवं कालाबाजारी रोकने के लिए 4,300 से अधिक छापे मारे गए हैं।

हिमाचल सरकार का 2026 तक एक लाख किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने का लक्ष्य



शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कृषि विभाग ने वर्ष 2026 में एक लाख किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्ख ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्राकृतिक खेती को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है और किसानों को इस तरीके को अपनाने के लिए लगातार प्रोत्साहित कर रही है, क्योंकि इससे वे कम लागत पर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'अब तक, 2,22,893 किसानों और बाबावानी परिवारों ने प्राकृतिक खेती को अपनाया है। यह तरीका राज्य की 99.3 प्रतिशत पंचायतों तक पहुंच चुका है और वर्तमान में 38,437 हेक्टेयर जमीन पर इसका अन्वयन किया जा रहा है।' उन्होंने कहा, 'इसके अलावा, प्राकृतिक खेती में लगे दो लाख से अधिक किसानों का पंजीकरण किया जा चुका है, जिनमें से 1,98,000 किसानों को पहले ही प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि 'प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना' के तहत, रासायनिक चीजों के इस्तेमाल को हतोत्साहित किया जाता है, जबकि देशी गाय के गोबर, गोमूत्र और स्थानीय पौधों के संसाधनों पर आधारित चीजों को बढ़ावा दिया जाता है। उन्होंने कहा, 'इस योजना के मुख्य उद्देश्यों में पर्यावरण संरक्षण, फसल विविधता को बढ़ावा देना और खेती की लागत को कम करना शामिल है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को उचित लाभ सुनिश्चित करने के लिए, प्राकृतिक रूप से उगाई गई उपज के लिए देश में सबसे अधिक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दे रही है।

भोजशाला विवाद : हिंदू पक्ष ने कहा, 'किसी जगह पर महज नमाज पढ़ लेने से वह मस्जिद नहीं बन जाती'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में धार के भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद परिसर के धार्मिक स्वरूप को लेकर चल रहे विवाद के मुकदमे में मंगलवार को हिंदू पक्ष ने दलील दी कि 11वीं सदी के स्मारक परिसर का एक विवादित ढांचा वक्फ (धार्मिक अर्पित) संपत्ति कतई नहीं है और किसी स्थान पर केवल नमाज पढ़ लेने से यह जगह कानूनन मस्जिद नहीं बन जाती। भोजशाला को हिंदू समुदाय वादेवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष इसे कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह विवादित परिसर भारतीय पुरातत्व

सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है। उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ इस परिसर के धार्मिक स्वरूप के विवाद को लेकर दायर चार याचिकाओं और एक रिट अपील पर सोमवार (छह अप्रैल) से नियमित सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दूसरे दिन याचिकाकर्ताओं में शामिल संगठन 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' के वकील विष्णु शंकर जैन ने अदालत में अपनी दलीलें पेश करना जारी रखा।

उन्होंने न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अस्थी की खंडपीठ के सामने कहा कि विवादित परिसर में धार के परमार राजवंश के राजा भोज द्वारा 1034 में स्थापित सरस्वती मंदिर पहले से मौजूद था और इस जगह को ऐतिहासिक व राजस्व रिकॉर्ड में 'भोजशाला' के रूप में ही जाना जाता है। उन्होंने देशी-विदेशी लेखकों की किताबों, एएसआई व

पुरातत्व विभाग के प्रकाशित ग्रंथों और अन्य स्रोतों के हवाले से दावा किया कि भोजशाला परिसर में बने मंदिर को ढहाया गया और इसके अवशेषों से खड़े किए गए विवादित ढांचे को नमाज पढ़ने के लिए इस्तेमाल करना शुरू किया गया। हिंदू पक्ष के वकील ने जोर देकर कहा कि विवादित परिसर में मूलतः कोई मस्जिद मौजूद नहीं थी और किसी जगह पर केवल नमाज पढ़ने से यह जगह कानूनन मस्जिद नहीं बन जाती। इस्लामी कानून के अनुसार मस्जिद के निर्माण के लिए जमीन को स्वेच्छा से वक्फ किया जाना जरूरी है। जैन ने कहा कि भोजशाला को 1909 के पहले से संरक्षित स्मारक का दर्जा हासिल है और इसके परिसर का एक विवादित ढांचा वक्फ संपत्ति कतई नहीं है।

एटीएस ने 25 करोड़ रुपये मूल्य की मेथामफेटामीन जल की, दो लोग गिरफ्तार

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के बनासकांठा जिले से करीब पांच करोड़ रुपये की पांच किलोग्राम मेथामफेटामीन जब्त की गई है और इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संदेह है कि मादक पदार्थ की यह खेप पाकिस्तान से तस्करी कर भारत लाई गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह सफलता गुजरात और राजस्थान की आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) को मिली। गुजरात एटीएस द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञापन के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शंकरराम रमेशराम और सलमान लालखान के रूप में हुई है और दोनों राजस्थान के निवासी हैं। विज्ञापन के मुताबिक गुजरात और राजस्थान एटीएस के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने खुफिया सूचना के आधार पर सोमवार शाम को राजस्थान के जैसलमेर को गुजरात के बनासकांठा से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-68 पर एक एक संदिग्ध कार को रोका।

कलपक्कम रिक्टर से जुड़ी उपलब्धि तीन दशकों के प्रयास का परिणाम: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने कलपक्कम में स्वदेश निर्मित 'प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिक्टर के 'क्रिटिकैलिटी' हासिल करने पर मंगलवार को कहा कि यह तीन दशकों से अधिक के प्रयास का परिणाम है और बेहतर होता कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की इस शानदार उपलब्धि को शासन से संबंधित निरंतरता के रूप में स्वीकार करते। 'क्रिटिकैलिटी' हासिल करने का अर्थ यह होता है कि रिक्टर ने स्व-संचालित और नियंत्रित परमाणु शृंखला प्रतिक्रिया शुरू कर दी है। जयराज रमेश ने कहा कि रिक्टर देश के परमाणु ऊर्जा

बनाएंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, 'यह रिक्टर हमारे परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठान की ओर से तीन दशकों से अधिक के समर्पित, दृढ़ और अनुशासित प्रयास का परिणाम है, जिसकी नींव भाभा-नेहरू की जोड़ी और बाद में आए कई अन्य प्रतिष्ठित परमाणु वैज्ञानिकों ने रखी थी।' रमेश ने अपनी 2008 की कलपक्कम यात्रा की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, 'मुझे जुलाई 2008 में कलपक्कम की अपनी यात्रा और डॉ. बलदेव राज एवं उनकी टीम के साथ हुई बातचीत अचूकी तरह से याद है। वह सबसे प्रेरणादायक सुबह थी। प्रधानमंत्री के लिए यह उचित होता कि वह अपने पोर्ट में इस शानदार उपलब्धि में निरंतरता को स्वीकार करते।'



कम आय वाले यात्रियों के लिए अमृत भारत ट्रेनों के फेरे बढ़ाने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश भर के कई यात्री संगठनों ने कम आय वाले लाखों यात्रियों की यात्रा को सुगम बनाने के लिए अमृत भारत ट्रेनों के फेरे बढ़ाने की मांग की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 30 दिसंबर, 2023 को शुरू की गई अमृत भारत ट्रेन गैर-वातानुकूलित हैं जिसमें केवल स्लीपर और द्वितीय श्रेणी के डिब्बे हैं। इस ट्रेन में यात्रियों को बेहतर सुरक्षा के साथ-साथ कई सुविधाएं मिलती हैं। यात्री समूहों ने बताया कि 30 जोड़ी अमृत भारत ट्रेनों में से केवल एक जोड़ी प्रतिदिन चलती है। शेष 29 जोड़ियों में से 22 साप्ताहिक, चार सप्ताह में दो बार और तीन सप्ताह में तीन बार चलती हैं। उन्होंने कहा कि ये ट्रेनें कम आय वाले यात्रियों के लिए सबसे किफायती और

सुविधाजनक विकल्पों में से एक हैं, लेकिन सीमित फेरों के कारण इनकी पहुंच सीमित हो जाती है। कोयंबटूर जिला रेलवे यात्री कल्याण संघ के एम जमील अहमद ने कहा, 'राजेंद्रनगर (पटना) और नई दिल्ली के बीच अमृत भारत ट्रेन प्रतिदिन चलती है। बाकी ट्रेनें साप्ताहिक, द्विसाप्ताहिक या त्रिसाप्ताहिक हैं, अहमद 11 मार्च को पोदानूर (कोयंबटूर) में पोदानूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिशुभारंभ समारोह में उपस्थित थे, ने बताया कि यह ट्रेन पोदानूर से हर शनिवार को चलती है और इसकी काफी मांग है। उन्होंने शिकायत की, आप प्रतीक्षा सूची देख सकते हैं, जिसमें अक्सर प्रस्थान से पहले 120 से अधिक बुकिंग हो जाती हैं। संपन्न यात्रियों के लिए वंदे भारत ट्रेनें प्रतिदिन चलती हैं, जबकि कम आय वर्ग के लोगों द्वारा उपयोग की जाने वाली अमृत भारत ट्रेनें साप्ताहिक रूप से चलाई जाती हैं।

असम पुलिस दिल्ली में पवन खेड़ा के आवास पर पहुंची, कांग्रेस ने 'प्रतिशोध की कार्रवाई' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। असम पुलिस की एक टीम मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के आवास पर उनसे पूछताछ के लिए पहुंची और तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी द्वारा खेड़ा के आरोपों के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत पर की गई। खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री की पत्नी पर तीन पासपोर्ट और अघोषित संपत्ति रखने का आरोप लगाया था। असम पुलिस के डीसीपी देबोजित नाथ ने कांग्रेस नेता के आवास के बाहर संवाददाताओं से कहा कि खेड़ा अपने आवास से नहीं मिले। उन्होंने कहा, हालांकि आवास की तलाशी ली गई और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए

गए हैं। नाथ ने कहा कि कुछ 'दोष साबित करने वाली सामग्री' मिली है, लेकिन जांच के इस स्तर पर इसकी विस्तृत जानकारी साझा नहीं की जा सकती। डीसीपी ने बताया कि गुवाहाटी की अपराध शाखा पुलिस थाना ने मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। शर्मा ने खेड़ा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन कर आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिगी भुइयां शर्मा के पास तीन पासपोर्ट और विदेश में संपत्ति है, जिसे मुख्यमंत्री के चुनावी हलफनामे में घोषित नहीं किया गया है। सूत्रों ने बताया कि एक दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी पहुंचे करीब 11 बजे मध्य दिल्ली के निजामुद्दीन स्थित खेड़ा के आवास पर पहुंचे और लगभग दो घंटे बाद वहां से चले गए। कांग्रेस ने शर्मा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह नौ अप्रैल के चुनावों में 'आसन्न' हार के कारण 'परेशान और विचलित'



हैं और विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रहे हैं। वहीं, मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस खेड़ा को 'पाताल' से भी ढूँढ निकालेगी और उनसे उन 'फर्जी दस्तावेजों' के बारे में पूछताछ करेगी। शर्मा ने असम के शिवसामर में एक चुनावी जनसभा से इतर 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत में कहा, 'पवन खेड़ा ने

असम पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करने की चुनौती दी थी, लेकिन अब वह हेदवबाद भाग गए हैं।' दिल्ली में डीसीपी देबोजित नाथ ने कहा कि कांग्रेस नेता का फिलहाल पता नहीं चल पाया है, लेकिन उन्हें ढूँढ निकाला जाएगा। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पुलिस टीम ने यहां पहुंचने पर औपचारिक रूप से दिल्ली पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद स्थानीय पुलिस की एक टीम भी जांच में शामिल हो गई और प्रक्रिया में सहयोग कर रही है।

रामबन में भूस्खलन की वजह से जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग बंद, करीब 200 वाहन फंसे

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में कई स्थानों पर भूस्खलन की वजह से जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को यातायात के लिए बंद कर दिया गया। हालांकि, अधिकारियों ने कुछ घंटे पहले ही इस मार्ग को यातायात के लिए बहाल किया था। अधिकारियों ने बताया कि घाटी को साल भर सड़क मार्ग से जोड़ने वाले 270 किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर 200 से अधिक वाहन विभिन्न स्थानों पर फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार को भूस्खलन के कारण दिन भर बंद रहने के बाद मंगलवार तड़के राजमार्ग को वाहनों की आवाजाही के लिए खोला गया था। यातायात पुलिस की प्रवक्ता ने बताया, 'डिवाडोल और खूनी नाले के बीच भारी भूस्खलन के कारण जम्मू-श्रीनगर और दोनों दिशाओं की यातायात के लिए बाधित हो गया है। सड़क पूरी तरह से अवरुद्ध है।' उन्होंने कहा कि सड़क को यातायात के लिए पूरी तरह से बहाल किए जाने तक लोगों को राजमार्ग पर यात्रा न करने की सलाह दी। प्रवक्ता ने कहा, 'कृपया अफवाहों पर ध्यान न दें और यातायात पुलिस के 'एक्स' हैंडल, फेसबुक पेज और यातायात नियंत्रण इकाइयों पर सड़कों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त करते रहें।'



पुडुचेरी भाजपा की जनविरोधी नीतियों का परीक्षण स्थल बन गया है: उपमुख्यमंत्री उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को दावा किया कि भाजपा केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी पर उसी तरह पूर्ण नियंत्रण चाहती है, जैसे वह एडमंडी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व वाली अन्नाद्रमुक के माध्यम से तमिलनाडु पर नियंत्रण हासिल करना चाहती है। द्रविड़ मुनेत्र कश्गम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील

गठबंधन (एसपीए) के उम्मीदवारों के लिए चुनावी प्रचार करते हुए उदयनिधि ने कहा कि पुडुचेरी की जनता ने इस प्रेम की भूमि में कभी नफरत की राजनीति करने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा, आज इस केंद्र शासित प्रदेश में फासीवादी भाजपा से जुड़ी ताकतों की घुसपैठ काफी बढ़ गई है। यह प्रदेश भाजपा की सभी जनविरोधी नीतियों का परीक्षण स्थल बन गया है। यहां भाजपा एआईएनआरसी के कंधों पर ठीक उसी तरह सवार है, जैसे तमिलनाडु में पलानीस्वामी के

नेतृत्व वाली अन्नाद्रमुक के कंधों पर। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी शामिल है और इसके माध्यम से जाति आधारित शिक्षा प्रणाली (कुल कल्पी थिडम) लागू की गई है। उदयनिधि ने मुदलियारपेट में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, 'वे ऐसी योजनाएं लागू कर रहे हैं जो पुडुचेरी में आने वाली पीढ़ियों को बाबाद कर देंगी, लेकिन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने भाजपा की साजिशों को राज्य (पुडुचेरी) में प्रवेश करने से

प्रभावी ढंग से रोक दिया है।' द्रमुक की युवा शाखा के सचिव ने अपील करते हुए कहा, 'हमें नौ अप्रैल के चुनाव में यह साबित करना होगा कि पुडुचेरी वह भूमि है जहां के लोग आत्मसम्मान के साथ जीते हैं।' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अक्सर दोहराई जाने वाली 'डबल इंजन की सरकार' संबंधी टिप्पणी की कड़ी आलोचना की और कहा कि इस डबल इंजन सरकार' ने विकास के लिए कुछ खास नहीं किया है। उदयनिधि ने कहा, द्रविड़

मॉडल की सरकार ऐसी नहीं है। स्टालिन ने 11.19 प्रतिशत की दोहरे अंकों वाली आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित की है। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसकी इस केंद्र शासित प्रदेश के लोगों में कोई वास्तविक रुचि नहीं है और यही कारण है कि विधानसभा द्वारा कई बार प्रस्ताव पारित किए जाने के बावजूद पुडुचेरी को राज्य का दर्जा नहीं दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, 'क्या मिलने पर राज्यपाल शक्तिहीन हो जाएंगे। संक्षेप में, वे दिल्ली से रिमोट

कंट्रोल के जरिये केंद्र शासित प्रदेश की सरकार चला रहे हैं। अगर इस स्थिति को बदलना है तो जनता को द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन का समर्थन करना चाहिए।' उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, 'भाजपा सोचती है कि वह राज्यपाल के माध्यम से पुडुचेरी पर शासन कर सकती है। आमतौर पर विपक्षी दल के सदस्य विधानसभा से बहिर्गमन करते हैं, लेकिन तमिलनाडु में राज्यपाल पहली बार बहिर्गमन कर रहे हैं। पुडुचेरी में आज हर मामले में राज्यपाल का दखल है। यहां निवाचित सरकार

का कोई महत्व नहीं है। केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त राज्यपाल ही यहां सब कुछ तय करता है।' उन्होंने कहा कि 'स्पष्ट शब्दों में कहा जाए तो भाजपा दिल्ली से पुडुचेरी पर शासन करना चाहती है। उदयनिधि ने कहा, अगर आप इस स्थिति को बदलना चाहते हैं, तो इस चुनाव में द्रमुक, कांग्रेस और वीसीके गठबंधन का समर्थन करें।' उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार ने पुडुचेरी विश्वविद्यालय में पुडुचेरी के छात्रों के लिए 25 प्रतिशत आरक्षण की मांग को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

पुडुचेरी को 'गिनी पिग' की तरह इस्तेमाल कर रही केंद्र सरकार : द्रमुक नेता शिवा



दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। द्रविड़ मुनेत्र कश्गम (द्रमुक) के नेता आर. शिवा ने विधियनर विधानसभा क्षेत्र में अपने चुनाव प्रचार के दौरान पुडुचेरी को राज्य का दर्जा देने, युवाओं के लिए रोजगार, टाइडल पार्क और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने जैसे कई आश्वासन दिए। यह सीट से इस बार भी चुनाव लड़ रहे हैं। शिवा ने पीटीआई-भाषा से बात करते हुए आरोप लगाया, एएनआरसी-भाजपा सरकार ने पिछले पांच वर्षों में सबसे खराब

शासन किया है। शिवा ने दावा किया, पुडुचेरी की जनता निवाचित प्रतिनिधियों का शासन चाहती है। हालांकि, पिछले 10 वर्षों में हमने यहां पूरी तरह से हस्तक्षेप देखा है। उपराज्यपाल, मुख्य सचिव और केंद्रीय गृह मंत्रालय ही पुडुचेरी पर शासन करते हैं; वे पुडुचेरी को एक गिनी पिग और केंद्र सरकार के कानूनों/नियमों के लिए एक प्रयोगशाला के रूप में इस्तेमाल करते हैं। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने लोगों के लिए बेहतर सुविधाओं का आश्वासन दिया। विधियनर में मुकाबला द्रमुक के शिवा और सत्तारूढ़ ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी) के उम्मीदवार रविकुमार के बीच है, हालांकि 10 अन्य उम्मीदवार भी मैदान में हैं। सत्तारूढ़ एआईएनआरसी 30 विधानसभा सीटों में से 16 सीट पर चुनाव लड़ रही है, उसकी सहयोगी भाजपा 10 सीट पर, और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कश्गम (अन्नाद्रमुक) और एलजेके दो-दो सीट पर चुनाव लड़ रही है।

केरल में चुनाव प्रचार थमा, आखिरी समय में सभी दलों ने झोंकी ताकत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान शाम छह बजे समाप्त हो गया। प्रचार थमने से पहले, केरल के कई विधानसभा क्षेत्रों की सड़कें गुलजार हो गईं और अलग-अलग पार्टियों के समर्थक बड़ी संख्या में अपने उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने निकले। आगामी नौ अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए प्रचार खत्म होने से पहले आखिरी क्षण में ताकत दिखाने के लिए, शहर के बीचों-बीच रोड शो, रैलियां और जुलूस निकाले गए। इस दौरान पार्टियों के झंडे लहरा रहे थे, ढोल बज रहे थे, नारे लग रहे थे, और कार्यकर्ता नाच रहे थे। कुछ जगहों पर, उम्मीदवार क्रेन पर भी चढ़ गए। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, राज्य में कुल 2.71 करोड़ मतदाताओं में 1.32 करोड़ पुरुष, 1.39 करोड़ महिलाएं और 273 ट्रांसजेंडर हैं। चुनाव में 140 सीट पर 883 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला होगा। चुनाव में

मुकाबला मुख्य रूप से माकपा की अगुवाई वाले एलडीएफ, कांग्रेस की अगुवाई वाले यूडीएफ और भाजपा की अगुवाई वाले राजग के बीच है। लगभग एक महीने तक चले प्रचार अभियान के दौरान, कई बड़े नेता दिल्ली से आते रहे। इनमें राजग के उम्मीदवारों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह, यूडीएफ के लिए प्रधानमंत्री पिनाराय विजयन ने सत्ताधारी एलडीएफ के प्रचार अभियान की अगुवाई की। इस प्रचार अभियान में जोरदार राजनीतिक हमले भी हुए। माकपा ने 2024 के वायनाड भूस्खलन के पीड़ितों के लिए घर बनाने में देरी को लेकर कांग्रेस की आलोचना की और सवाल किया कि पुनर्वास के लिए इकट्ठा किए गए धन का इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है। जवाब में, कांग्रेस ने कई माकपा नेताओं के दलबदल की ओर इशारा किया, आम दल के अंदर फूट का आरोप लगाया और मुख्यमंत्री विजयन पर 'तानाशाही तरीके से' सरकार चलाने का आरोप लगाया।

स्टालिन ने मदुरै मेट्रो परियोजना को लेकर टिप्पणी के लिए फडणवीस पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह मदुरै मेट्रो परियोजना की मंजूरी को भाजपा विधायक के चुनाव से जोड़कर मतदाताओं को ब्लैकमेल करने का प्रयास कर रहे हैं। स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, क्या महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का काम सौदेबाजी और ब्लैकमेल करना है? उनका कहना है कि 'मदुरै को मेट्रो तभी मिलेगी जब भाजपा का विधायक निवाचित होगा।' पोस्ट में यह भी सवाल उठाया गया कि क्या किसी अन्य राज्य



के मौजूदा मुख्यमंत्री का तमिलनाडु आकर राजनीतिक सौदेबाजी करना उचित है। द्रविड़ मुनेत्र कश्गम (द्रमुक) प्रमुख ने पूछा कि क्या इस तरह से सौदेबाजी और ब्लैकमेल करना महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का काम है। स्टालिन ने कहा कि संविधान के तहत शपथ लेने वाले मुख्यमंत्री को विधायक निवाचित राज्य के दौरे के दौरान इस तरह की बातें करने में शर्म आनी चाहिए।

स्टालिन ने फडणवीस को सलाह दी कि इस तरह के बयान देने से पहले उन्हें तमिलनाडु सरकार की विकास संबंधी उपलब्धियों से अवगत होना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'डबल इंजन' शासन के स्टालिन ने 'डबल इंजन मॉडल' (खोजला या निष्प्रभावी) करार दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि केंद्र सरकार द्वारा कोष आवंटन में कथित उपेक्षा के बावजूद, तमिलनाडु ने 'द्रविड़ मॉडल' सरकार के तहत दोहरे अंकों की आर्थिक वृद्धि हासिल की है। तमिलनाडु सरकार ने मदुरै की मेट्रो परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट जमा की, जिसे केंद्र सरकार ने यह कहते हुए वापस कर दिया था कि वे प्रस्ताव निर्धारित 20 लाख की आबादी की शर्त पूरी नहीं करते हैं।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने पुडुचेरी के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने आरोप लगाया है कि केंद्र ने पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा देने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है, जबकि केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा ने इस तरह के कदम के लिए 14 बार प्रस्ताव पारित किए हैं। यहां एक रैली को संबोधित करते हुए और नौ अप्रैल को होने वाले चुनावों के लिए कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कश्गम (द्रमुक) और विद्युत्थलाई चिरुथाइगल काची (वीसीके) के उम्मीदवारों का औपचारिक परिचय कराते हुए स्टालिन ने आरोप लगाया कि सब कुछ उपराज्यपाल के पास है जबकि आगामी चुनाव लोगों के लिए पुडुचेरी में मौजूदा समस्याओं को खत्म करने का एक उत्कृष्ट अवसर है। स्टालिन ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान वादा किया था कि पुडुचेरी सर्वश्रेष्ठ पुडुचेरी बनेगा। उन्होंने कहा कि असलियत तो यह है कि लोग अभी पुडुचेरी की सबसे बुरी हालत देख रहे हैं। उन्होंने सरकार की कथित नाकामियों की मिसालें दीं, जिनमें नकली दवा बनाने वाली इकाई की जांच में बाधा डालना और घटिया दवाइयों की खरीद शामिल है। उन्होंने सवाल किया, क्या वे घटनाएं गृह मंत्री अमित शाह द्वारा प्रचारित तथाकथित 'दोहरे इंजन वाली सरकार' का सबूत हैं? द्रमुक नेता ने केंद्र शासित प्रदेश में कानून व्यवस्था और बढ़ते मादक पदार्थों के खतरों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'एसी समस्याओं के बीच प्रधानमंत्री पुडुचेरी में रोड शो कैसे कर सकते हैं? क्या यह शर्मनाक नहीं है?'

टीवीके प्रमुख विजय का पेरांबूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व सीट से नामांकन स्वीकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा के लिए 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव में तमिलना वेंडी कश्गम (टीवीके) अध्यक्ष विजय द्वारा पेरांबूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व सीट से दाखिल नामांकन पत्रों को मंगलवार को जांच के बाद वैध पाए जाने के साथ स्वीकार कर लिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। निर्वाचन अधिकारी ने पेरांबूर में पहाली मकल कच्ची (पीएफके) के सदस्यों द्वारा उठाई गई औपचारिक आपत्तियों को खारिज कर दिया, जिन्होंने संपत्ति कर भुगतान न करने के



और निर्वाचन आयोग ने उनकी पार्टी को 'सीटी' चुनाव विधे आवंटित किया है। विजय की टीवीके राज्य की राजनीति में द्रविड़ मुनेत्र कश्गम (द्रमुक)-ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कश्गम (अन्नाद्रमुक) के वर्चस्व को चुनौती दे रही है और राज्य 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए अकेले चुनाव लड़ रही है।

आरोपों को लेकर अभियन से राजनीति में आए विजय के नामांकन को अस्वीकार करने की मांग की थी। विजय दो विधानसभा क्षेत्रों के साथ अपने चुनावी सफर की शुरुआत करने जा रहे हैं। विजय ने 2 फरवरी 2024 को टीवीके की औपचारिक रूप से स्थापना की थी और निर्वाचन आयोग ने उनकी पार्टी को 'सीटी' चुनाव विधे आवंटित किया है। विजय की टीवीके राज्य की राजनीति में द्रविड़ मुनेत्र कश्गम (द्रमुक)-ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कश्गम (अन्नाद्रमुक) के वर्चस्व को चुनौती दे रही है और राज्य 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए अकेले चुनाव लड़ रही है।

पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान हुआ समाप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की विधानसभा के लिए नौ अप्रैल को होने वाले चुनावों के लिए प्रचार अभियान मंगलवार शाम को समाप्त हो गया। केंद्र शासित प्रदेश में राजनीतिक दल, निर्दलीय

निर्वाचन अधिकारियों ने मतदाताओं को मतदान केंद्रों पर आने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु पूरे केंद्र शासित प्रदेश में कई चुनाव मैदान में हैं। विपक्षी 'इंडि' गठबंधन ने सीटों के बंटवारे को लेकर लंबी बातचीत के बाद, कांग्रेस को 16 निर्वाचन क्षेत्र आवंटित करने, द्रमुक को 13 और वीसीके को एक (उझावरकराई) सीट देने पर सहमत जताई।

में तथा ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कश्गम (अन्नाद्रमुक) एवं एलजेके दो-दो निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव मैदान में हैं। विपक्षी 'इंडि' गठबंधन ने सीटों के बंटवारे को लेकर लंबी बातचीत के बाद, कांग्रेस को 16 निर्वाचन क्षेत्र आवंटित करने, द्रमुक को 13 और वीसीके को एक (उझावरकराई) सीट देने पर सहमत जताई।

में तथा ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कश्गम (अन्नाद्रमुक) एवं एलजेके दो-दो निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव मैदान में हैं। विपक्षी 'इंडि' गठबंधन ने सीटों के बंटवारे को लेकर लंबी बातचीत के बाद, कांग्रेस को 16 निर्वाचन क्षेत्र आवंटित करने, द्रमुक को 13 और वीसीके को एक (उझावरकराई) सीट देने पर सहमत जताई।

शबरिमला मामले में कानून को आस्था का सम्मान करना चाहिए

यह मुद्दा एलडीएफ के लिए सबक : थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने शबरिमला में महिलाओं के प्रवेश के मुद्दे और इससे संबंधित विवाद से सीखे गये सबक पर मंगलवार को कहा कि कानून की व्याख्या करने वालों को आस्था को ध्यान में रखना चाहिए। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने यहां मीडिया से बात करते हुए कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर पहले भी विस्तार से लिखा है। उन्होंने लोगों से उनके विचार पढ़ने का आग्रह किया। शबरिमला मंदिर में मासिक धर्म के आयु वर्ग वाली महिलाओं के प्रवेश को लेकर हुए विवाद का जिक्र करते हुए थरूर ने कहा कि केरल की वामपंथी सरकार को अपनी गलती का एहसास हो गया है। उन्होंने कहा, एलडीएफ (वाम लोकतांत्रिक गट) सरकार ने जो सबसे महत्वपूर्ण सबक सीखा है, उनमें से एक यह है कि आप जनता की इच्छाओं और आस्थाओं को ध्यान में रखे बिना और सोच-विचार किये बिना कार्यवाही नहीं कर सकते। कांग्रेस सांसद ने इस बात पर जोर दिया कि संविधान और न्यायालयों का सम्मान करना आवश्यक है, लेकिन वे एक ऐसे समाज में कार्य करते हैं जो गहरी मान्यताओं से आकार लेता है। उन्होंने कहा, हम सभी संविधान के पक्षधर हैं। हम सभी उच्चतम न्यायालय का सम्मान करते हैं। लेकिन संविधान और न्यायालय एक ऐसे समाज की सेवा करते हैं, जहां लोगों की आस्था काफी गहरी होती है।



में भगवान अरुण्डा नित्य ब्रह्मचारी हैं, और उन्होंने माहवारी आयु वर्ग वाली किसी भी महिला पर उनकी नजर नहीं पड़े, इसके लिए उस वन मंदिर में शरण ली।' उन्होंने कहा, 'और यही कारण है कि सदियों से यह परंपरा रही है कि 50 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं को आमतौर पर मंदिर के गर्भगृह या मंदिर परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया जाता है। और सभी श्रद्धालु इस परंपरा का सम्मान करते आए हैं।' थरूर ने कहा, 'अब, आप इस मान्यता पर बहस कर सकते हैं और कह सकते हैं कि मान्यता एक चीज या दूसरी चीज है। लेकिन सच्चाई यह है कि आस्था के मापदंड हमेशा अलग-अलग रहे हैं क्योंकि आस्था मान्यता पर आधारित होती है, कानून पर नहीं।' अपनी मूल बात को दोहराते हुए थरूर ने कहा, 'जो लोग वास्तव में आस्था के संदर्भ में कानून की व्याख्या कर रहे हैं, उन्हें उसका सम्मान करना होगा।' उन्होंने उच्चतम न्यायालय के 2018 के फैसले के बाद की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा, एलडीएफ ने लोगों की आस्था की उपेक्षा करके और फैसले को लागू करने की कोशिश कर एक बहुत बड़ा सबक सीखा। थरूर ने उल्लेख किया कि 'व्याहारिक रूप से उस निर्णय को कई साल से लागू नहीं किया गया है।'

श्रीलंका से रिहा हुए 30 भारतीय मछुआरे स्वदेश लौटे

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंका से रिहा किए गए 30 भारतीय मछुआरों को मंगलवार को वापस भेज दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कोलंबो स्थित भारतीय उद्योगों ने पोस्ट में कहा, भारत के 30 मछुआरों को आज श्रीलंका से वापस भेजा गया। उन्होंने बताया कि ये मछुआरे स्वदेश लौट रहे हैं। श्रीलंका की नौसेना के अनुसार, उसने इस साल अब तक मछली पकड़ने वाली 15 नौकाएं जब्त की और 102 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। उसने कहा कि 2025 में श्रीलंका के जल क्षेत्र में 346 मछुआरों को गिरफ्तार किया गया था। नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने बताया कि वह नहीं बता सकते कि रिहा किए गए 30 मछुआरे किस समूह से थे। उन्होंने कहा, यह पूरी तरह से अदालती प्रक्रिया पर निर्भर करता है। भारत और श्रीलंका के संबंधों में मछुआरों का मुद्दा एक विवादस्पद विषय रहा है। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा पाक जलडमरूमध्य में कथित रूप से श्रीलंकाई क्षेत्रीय जल में प्रवेश करने वाले भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी करने और उनकी नौकाएं जब्त करने की कई कथित घटनाएं सामने आई हैं।

बीकाणा कांग्रेस में जात-पांत का उठा चक्रवात 'हाथ' के लिए घातक न हो जाए !

बाल मुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

जयपुर। बीकाणा कांग्रेस में उठे जातिवाद के चक्रवात ने अब तूफान का रूप ले लिया है और फिलहाल इसके थमने के कोई आसार नजर नहीं आ रहा है। हालात ऐसे हैं कि अगर यह सियासी आंधी यूपी ही चलती रही तो आने वाले चुनावों में पश्चिम राजस्थान और शेखावाटी की कई सीटों पर 'हाथ' खुद ही अपनी पकड़ ढीली करता नजर आ सकता है। स्वर्गीय रामेश्वर डूडी के समर्थकों और गोविंद राम मेघवाल के खेमों के बीच सड़क पर जो 'लोकतांत्रिक कुश्ती' हुई, उसने यह साफ कर दिया कि पार्टी के अंदर संवाद कम और दंगल ज्यादा मचा है। हाल



रामेश्वर डूडी गोविंद राम मेघवाल

यह है कि प्रदेश कांग्रेस के कथित निर्देश भी दोनों पक्षों के जोश के आगे ऐसे उड़ गए जैसे आंधी में पोस्टर।

राजस्थान में सत्ता गंवाने के बाद उम्मीद थी कि कांग्रेस आत्ममंथन करेगी, लेकिन यहां तो 'आत्ममंथन' की जगह 'आंतरिक मंथन युद्ध' चल रहा है। विपक्ष में बैठकर सरकार को घेरने की बजाय, नेता अपने-

अपने सामाजिक समीकरणों की गिनती में उलझे हुए हैं मानो चुनाव नहीं, जातीय जनगणना की प्रैक्टिस चल रही हो। मेघवाल बनाम जाट खेमेबाजी अब सिर्फ संगठन की दीवारों तक सीमित नहीं रही, बल्कि सड़कों पर उतरकर यह संदेश दे रही है कि वर्ष 2028 का सत्ता का सपना फिलहाल 'अपनों के संघर्ष' में ही फंसा लगता है। अगर यही हाल रहा, तो कांग्रेस को विपक्ष में बैठकर सरकार को घेरने की जरूरत नहीं पड़ेगी, पार्टी के अपने ही लोग 'हाथ' की पकड़ ढीली करने के लिए काफी हैं। कुल मिलाकर, कांग्रेस की मौजूदा स्थिति कुछ यूँ है, नारा भले ही 'एकता' का हो, लेकिन जमीन पर हर कोई अपनी-अपनी 'राजनीतिक जाति' का झंडा लेकर मैदान में उतर चुका है।



देश को संपूर्ण खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत : सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खाद्य सुरक्षा को महत्वपूर्ण बताते हुए मंगलवार को देश की संपूर्ण खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने फसलों का उत्पादन व उत्पादकता बढ़ाने, उत्पादन लागत कम करने और किसानों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करने का आह्वान किया। वह यहां पश्चिमी राज्यों के लिए क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। चौहान ने कहा, देश की खाद्य सुरक्षा हमको सुनिश्चित करनी है। 140 करोड़ भारतीय हैं उनके लिए पर्याप्त खाद्यान्न चाहिए। उनके लिए अनाज, फल, सब्जियां, तिलहन, दूध व दही...सब चाहिए। उन्होंने कहा, कृषि आज

के युग में हम किसी पर भी निर्भर नहीं रह सकते। प्रधानमंत्री का संकल्प है आत्मनिर्भर भारत। आज तो दुनिया की परिस्थितियां ऐसी हैं कि भोजन के लिए निर्भरता कदापि मंजूर नहीं है। हमें आत्मनिर्भर होना चाहिए। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि मुझको खुशी है कि गेहूं, चावल, मूंग, मसूर, जوار, जई, आलू, सब्जियां, फल, दूध व दही...सब हमारे पास हैं। हालात यह हैं कि गेहूं व चावल में तो हमें विचार यह करना पड़ता है कि उसे रखे कहां? रखने की जगह नहीं है। तो हमने प्रगति बहुत की है लेकिन दलहन की कमी है। इसका हमें आयात करना पड़ता है। तेल का भी आयात करना पड़ता है। उन्होंने कहा, अगर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करनी है तो दलहन में भी हमको आत्मनिर्भर होना है। तिलहन में भी आत्मनिर्भर होना है। कोई भी चीज ऐसी न हो जो हमें बाहर से मंगानी हो। संपूर्ण खाद्य सुरक्षा हमको सुनिश्चित करनी है। उन्होंने कहा कि भारत इन्फो

आवश्यकता अपने किसानों से अपने देश में पूरी करेगा और केवल इतना ही नहीं प्रधानमंत्री का कहना है कि भारत विश्वबंधु भी है इसलिए हम दुनिया की जरूरत को पूरा करेंगे। कोरोना के समय में भी हमने पूरा किया और अब संकट के समय भी भारत दुनिया को खाद्यान्न आपूर्ति की क्षमता रखता है। किसानों की आय बढ़ाने की बात करते हुए चौहान ने कहा, किसानों की आय बढ़ानी है, उनके जीवन स्तर को उठाना है और उनकी जिंदगी को भी आसान बनाना है। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ और किसान उसकी आत्मा है। कृषि मंत्री के नाते मैं मानता हूँ कि किसानों की सेवा हमारे लिए भगवान की पूजा है। किसानों की आय हम कैसे बढ़ा सकें इस दिशा में हमें कदम उठाने हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसानों की आय बढ़ाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए मिट्टी को

स्वस्थ रखने को कृषि के विविधीकरण, नई वैज्ञानिक खेती तकनीकों को अपनाने और प्राकृतिक खेती की आवश्यकता है। चौहान ने रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग के कारण मिट्टी की घटती उर्वरता पर चिंता व्यक्त की, और आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया। नए बजट का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राश्यों को उन योजनाओं के लिए अधिक धनराशि आवंटित करने की छूट दी गई है, जो उनके अपने क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हैं। राजस्थान में उद्घाटन के बाद चौहान ने कहा कि किसानों की सेवा हमारे लिए भगवान की पूजा है। किसानों की आय हम कैसे बढ़ा सकें इस दिशा में हमें कदम उठाने हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसानों की आय बढ़ाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए मिट्टी को



बाड़मेर में सीमा पार से आई 25 करोड़ रुपए की मेटाफेटामाइन ड्रग के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध एक बड़ी सफलता हासिल कर अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से लाए गए करीब 5 किलोग्राम बजान की मेटाफेटामाइन ड्रग्स जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी इस खेप की सप्लाई देने जा रहे थे। जवत की गई इस खेप की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 5 करोड़ रु प्रति किलोग्राम आंकी जा रही है, जिसके अनुसार कुल बरामदगी की कीमत 25 करोड़ रु है। एडीजी दिनेश एम्पन ने बताया कि बाड़मेर सदर नाकेबंदी के दौरान बाड़मेर की तरफ से आ रही संदिग्ध ड्रग्स को रूकवाकर तलाशी ली गई, तो गाड़ी में बैठे आरोपियों के पास से 5 थैलियों में भरा कुल 4.980 किलोग्राम अवैध मेटाफेटामाइन बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सलमान पुत्र लालाबाई और शंकरराम पुत्र रमेशराम मेघवाल निवासी सज्जण का पार, रामसर के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी सलमान ने खुलासा किया कि उसने यह माल पाकिस्तान के थार पारकर जिले के निवासी मसात नामक व्यक्ति से अंतरराष्ट्रीय सीमा पर प्राप्त किया था। आरोपी के मोबाइल की जांच करने पर पाकिस्तानी नंबरों से व्हाट्सएप चैट और नशीले पदार्थ की प्राप्ति के रूप में भेजे गए वीडियो भी मिले हैं।

कुबूला है कि वह पिछले छह महीनों से पाकिस्तान के नीमला गांव निवासी हंडलर मसाद के सीधे संपर्क में था। यह संपर्क उसके गांव के ही रहम खान ने करवाया था, जो मसाद का रिश्तेदार बताया जा रहा है। पाकिस्तानी हंडलर के बदले उसे बड़ी राशि भी जमीन में गड़ी हुई मिली थी। इसी तरह आज जो पांच पैकेट लेकर आया है, यह मसाद की भेजी हुई लोकेशन बॉर्डर से 250 मीटर दूर एक पेड़ के नीचे से 4 अप्रैल को खोद करके लाया है। जमीन के नीचे पीले कलर के प्लास्टिक के कट्टे में उसे पांच पैकेट मिले थे।

जमीन में दबाकर दिया जाता था। आरोपी ने बताया कि तीन महीने पहले लोकेशन पर गाड़े गए पैकेट को चिन्हित स्थान पर पहुंचाने के बदले उसे बड़ी राशि भी जमीन में गड़ी हुई मिली थी। इसी तरह आज जो पांच पैकेट लेकर आया है, यह मसाद की भेजी हुई लोकेशन बॉर्डर से 250 मीटर दूर एक पेड़ के नीचे से 4 अप्रैल को खोद करके लाया है। जमीन के नीचे पीले कलर के प्लास्टिक के कट्टे में उसे पांच पैकेट मिले थे।



असम चुनाव में हार के डर से बाँखलाई गल्लोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गल्लोत ने भारतीय जनता पार्टी पर कटाक्ष करते हुए मंगलवार को कहा कि वह असम चुनाव में हार के डर से बाँखलाई गई है। असम पुलिस की टीम के मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के आवास पर पूछताछ के लिये पहुंची थी। गल्लोत ने इस पर कटाक्ष करते हुए यह बात कही। उन्होंने एक बयान में कहा, 'असम चुनाव में हार के डर से भाजपा बाँखलाई गई है। भाजपा की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि वह लोकतंत्र के बजाय पुलिस और सरकार की एजेंसियों के पीछे छिपकर वार करती है।'

उन्होंने कहा, 'आज असम पुलिस का जिस तरह दुरुपयोग कर कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा के आवास पर छापेमारी की गई है, वह कायराना है। पर कांग्रेस को इन सब पैतारों से डराना नहीं जा सकता, असम पुलिस, सीबीआई, आई की डर दिखाने से कांग्रेस के दिलेरी लोगों को कोई फर्क नहीं पड़ता है।' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'असम की जनता सब देख रही है। वे जान चुके हैं कि भाजपा सिर्फ नफरत फैलाना और डराना जानती है। जल्द ही असम की जनता इस तानाशाही सरकार को माफ़ूक जवाब देगी।'

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटसरान ने भी इस मुद्दे को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'भाजपा की राजनीति सिर्फ और सिर्फ डराओ, धमकाओ, एवं संस्थाओं के दुरुपयोग से विपक्षी दलों के नेताओं का दमन कर सच को छिपाओ की रह गई है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन कांग्रेस का हर कार्यकर्ता मजबूती से खड़ा है। न डरे, न झुकेंगे, सबाई के लिए डटकर मुकाबला करेंगे।'

विश्व नवकार महामंत्र दिवस पोस्टर का किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवानी ने मंगलवार को विधान सभा में विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर प्रकाशित पोस्टर का लोकार्पण किया। इस पोस्टर का प्रकाशन जीतो जयपुर की विभिन्न शाखाओं ने संयुक्त रूप से किया है। इस अवसर पर जयपुर ग्रेटर नगर निगम के निवर्तमान उप महापौर पुनीत कर्णाटक के नेतृत्व में जीतो जयपुर के प्रतिनिधिमंडल ने

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवानी को 9 अप्रैल को जयपुर के मालवीय नगर के आचार्य तुलसी मार्य स्थित अणुविभा केन्द्र में आयोजित होने वाले विश्व नवकार महामंत्र दिवस के अवसर पर प्रकाशित पोस्टर का लोकार्पण किया। इस पोस्टर का प्रकाशन जीतो जयपुर की विभिन्न शाखाओं ने संयुक्त रूप से किया है। इस अवसर पर जयपुर ग्रेटर नगर निगम के निवर्तमान उप महापौर पुनीत कर्णाटक के नेतृत्व में जीतो जयपुर के प्रतिनिधिमंडल ने

महामंत्र दिवस जयपुर में विराजित आचार्य, साधु एवं साध्विणी के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में राष्ट्र संत आचार्य सुन्दर सागर महाराज सहस्रच, आचार्य शशांक सागर महाराज सहस्रच, अणुविभा आचार्य महाश्रमण के सुशिष्य मुनि तन्वर्षुष और सुधाकर कुमार ठाणा तथा साध्वी मणिप्रभा साध्वी वृंद उपस्थित रहेंगे। नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप के माध्यम से विश्व में शांति, सद्भाव एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का आह्वान किया जाएगा।

कृषि क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहा राजस्थान : मुख्यमंत्री

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राजस्थान सरकार किसानों के हितों के लिए निरंतर काम कर रही है और कृषि क्षेत्र में प्रदेश नई ऊंचाइयां छू रहा है। मुख्यमंत्री यहां पश्चिम क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'हमारी 'डबल इंजन' सरकार किसान हितों के लिए निरंतर कार्य कर रही है।' आधिकारिक बयान के अनुसार किसानों को अब पारंपरिक तरीकों के स्थान पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है जिससे कृषि, नौकरी और व्यापार से भी अधिक लाभकारी बन सके। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग पर चिंता जताते हुए माला स्वस्थ कार्ड के अनुसार खाद प्रयोग करने और भविष्य की पीढ़ियों के लिए भूमि की उर्वरता बनाए रखने की अपील की। कृषि के साथ पशुपालन को जोड़ने पर विशेष बल दिया ताकि प्राकृतिक खाद की उपलब्धता बढ़े और लागत में कमी लाकर किसानों की आय को बढ़ाया जा सके।

राजस्थान में तापमान सामान्य से नीचे, फलोदी में 42.2 मिलीमीटर बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर से बीते चौबीस घंटे के दौरान राजस्थान में कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई। इस दौरान जोधपुर जिले के फलोदी में सबसे अधिक 42.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार लगातार बारिश, बादल छाए रहने से पूरे राज्य में तापमान भी सामान्य से नीचे बना हुआ है। मंगलवार सुबह तक के चौबीस घंटे के दौरान विचोडगढ़ में अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस व नगौर में न्यूनतम तापमान 16.7 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अनुसार आज मंगलवार को भी जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर व उदयपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में बादल छाए रहने के साथ मध्यम से तेज बारिश होने की प्रबल संभावना है। इस दौरान जयपुर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के कुछ भागों में 30 से 50 मिलीमीटर तक बारिश हो सकती है तथा कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की भी चेतावनी दी गई है। इसी तरह बुधवार को भरतपुर, जयपुर संभाग के उत्तरी भागों में हल्की बारिश होने व शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने का पूर्वानुमान है। वहीं नौ अप्रैल से आगामी 4-5 दिन तक अधिकांश भागों में मौसम के मुख्यतः शुष्क रहने तथा 10 अप्रैल से तापमान में तीन-चार डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने की संभावना है।



'इण्डियन फुटबल लीग' का शुभारंभ

जयपुर/दक्षिण भारत। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को विद्याधर नगर स्थित स्टेडियम में आयोजित 'इण्डियन फुटबल लीग' का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वस्थ तन और मन लिए खेल जरूरी है। उन्होंने खेले इंडिया के तहत भारतीय खेलों के प्रोत्साहन के लिए किए जा रहे प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। बागडे ने प्रतियोगिता में भाग ले रहे फुटबॉल खिलाड़ियों को खेल में उन्मा प्रदर्शन कर अपनी टीम को विजयी बनाने की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि फुटबॉल तेजी से विश्व का सबसे लोकप्रिय खेल बनता जा रहा है। इसका इतिहास दो हजार साल से अधिक पुराना है। राज्यपाल ने कहा कि

आधुनिक फुटबॉल का जन्म 19वीं सदी में इंग्लैंड में हुआ। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संघ (फीफा) की स्थापना 1904 में फ्रांस की राजधानी पेरिस में हुई। इसके संस्थापक सदस्यों में बेल्जियम, फ्रांस, डेनमार्क, नीदरलैंड, स्पेन, स्वीडन और स्विटजरलैंड शामिल थे। पेरिस में 1900 में हुए विश्व कप के बाद हर विश्व कप में यह खेल खेला गया है। महिलाओं की प्रतियोगिता को अटलांटा 1996 के खेलों में शामिल किया गया था। राज्यपाल ने भारत में फुटबॉल खेल के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि भारत में महिला फुटबॉल की 1990 के दशक में शुरूआत हुई। पुरुषों के खेल की तरह ही, महिलाओं के खेल में भी शुरूआती खिलाड़ी पश्चिम बंगाल राज्य से थीं।

सलूमबर में रहस्यमयी बीमारी से बच्चों की मौत, जांच के लिए विशेषज्ञों की टीम गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सलूमबर जिले के दो गांवों में रहस्यमयी बीमारी से पांच बच्चों की मौत के मामले में राज्य सरकार ने विशेषज्ञों की टीम गठित कर जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, आरएनटी मेडिकल कॉलेज-उदयपुर के चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम बनाकर प्रभावित गांवों में भेजा गया है, जो मामले की गहन जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। विशेषज्ञों की यह टीम बच्चों की मौत के कारणों का पता लगाने के साथ ही बीमारी की रोकथाम के उपाय भी सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को तत्काल स्थिति की जानकारी जुटाने, मौत के कारणों का पता लगाने और आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार रात वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए मामले की समीक्षा की और संबंधित विभागों को प्रभावित क्षेत्रों की लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए।



अनियमितताओं के मामलों में दोषियों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई : गौतम कुमार दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने निर्देश दिए कि सहकारिता क्षेत्र में विध्वंसक वृहत अन भण्डारण योजना के अंतर्गत बर रहे 500 मीट्रिक टन क्षमता के गोदामों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण हो तथा इनका पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए। गोदामों को किराये पर देने के लिए जिला स्तर पर मापदण्ड तय किए जाएं। उन्होंने कहा कि किसानों और सहकारी समितियों को इन सेंटर्स से मिलने वाले लाभ का आकलन किया जाए। साथ ही, कस्टम हायरिंग सेंटर पर उपलब्ध उपकरणों के उपयोग का भी पूरा डेटा तैयार किया जाए। सहकारिता मंत्री ने पैक्स

समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सहकारिता क्षेत्र में विध्वंसक वृहत अन भण्डारण योजना के अंतर्गत बर रहे 500 मीट्रिक टन क्षमता के गोदामों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण हो तथा इनका पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए। गोदामों को किराये पर देने के लिए जिला स्तर पर मापदण्ड तय किए जाएं। उन्होंने कहा कि किसानों और सहकारी समितियों को इन सेंटर्स से मिलने वाले लाभ का आकलन किया जाए। साथ ही, कस्टम हायरिंग सेंटर पर उपलब्ध उपकरणों के उपयोग का भी पूरा डेटा तैयार किया जाए। सहकारिता मंत्री ने पैक्स

कम्प्यूटराइजेशन के कार्य में गति लाकर शेष रहे सभी समितियों को शीघ्र गो-लाइव करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में प्रगति कम है, उनकी सतत मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही, गो-लाइव के कार्य में सहयोग नहीं करने वाली समितियों के अन्दर कार्रवाई की जाए। दक ने जिला प्रभारियों को नियमित रूप से फील्ड विजिट कर पैक्स स्तर तक विभिन्न कार्यों की जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनियमितताओं के मामलों में जो समितियां रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करवा रही हैं, उनके विरुद्ध एफआइआर दर्ज करवाकर रिकॉर्ड प्राप्त किया जाए। दक ने सहकारी भूमि विकास बैंकों के बकाया ऋणों की वसूली पर बल देते हुए वसूली कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

सुविचार

कर्म ही पूजा है। फल की चिंता किए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ देना ही सफलता की पहली शर्त है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पीड़ित परिवार को मिला इंसाफ

तूतीकोरिन के सथानकुलम में हिरासत में क्रूरतापूर्वक यातना देकर पिता-पुत्र को मौत के घाट उतारने वाले नौ पुलिसकर्मियों को मृत्युदंड सुनाए जाने से पीड़ित परिवार को इंसाफ मिला है। मद्रुरै की अदालत के इस फैसले के बाद आम लोगों का कानून पर भरोसा मजबूत हुआ है। अदालत का यह फैसला पीड़ित परिवार के घावों पर संतोष का मरहम लगाता है। साथ ही, ऐसे पुलिसकर्मियों को सख्त चेतावनी भी देता है, जो निर्दोष जनता पर अत्याचार करने में बड़बपन महसूस करते हैं। पुलिस की वर्दी जनता की सेवा करने के लिए मिली है। यह लोगों को लूटने और पीटने का लाइसेंस नहीं है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो देश का क्या होगा? पुलिसकर्मी भी इसी समाज का हिस्सा होते हैं। जब तक वे इस नौकरी में नहीं आते, उनका व्यवहार सामान्य होता है। जब नौकरी में चयन हो जाता है, वर्दी मिल जाती है, तब कई कर्मियों पर ऐसा कौनसा फिर्तार सवार हो जाता है कि वे आम आदमी को कुछ समझते ही नहीं? सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो देखने को मिलते हैं, जिनमें पुलिसकर्मी आम लोगों को पीटते, धमकाते, अपशब्द कहते, खिन्न लेते नजर आते हैं। शक्ति का इतना नशा होना ठीक नहीं है। ऐसे पुलिसकर्मियों की वजह से पूरे विभाग की प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है। पुलिस में नौकरी लगने का यह मतलब नहीं कि आप कोई वायसराय हो गए और अब चाहे जिसे मारें और चाहे जिसे छोड़ें। जो कर्मों ऐसा करता है, वह अपने लिए पापों की भारी गठरी तैयार करता है। वह भविष्य में उसे ही उठानी पड़ेगी। ऐसे कितने ही पुलिसकर्मियों की सख्त कथ्याएं सुनने को मिलती हैं, जिन्होंने कभी शक्ति के अहंकार में आकर लोगों पर खूब अत्याचार किए थे। एक दिन जब वक्त ने कसबट ली तो सबकुछ खत्म हो गया। तब ऐसे पुलिसकर्मियों से किसी को सहानुभूति नहीं होती। लोग उनके उदाहरण देते हुए कहते हैं कि वे अपनी करनी का फल भोग रहे हैं।

मद्रुरै की अदालत का फैसला दिवंगत पिता-पुत्र की आत्मा को शांति देगा। हालांकि अभी लड़ाई बाकी है। ऐसे मामलों में आरोपी उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय चले जाते हैं। अगर वहां भी मृत्युदंड से कोई राहत न मिले तो राष्ट्रपति से क्षमादान की याचना करते हैं। इन सबमें कई साल लग सकते हैं। अगर वे पुलिसकर्मी सभी कानूनी विकल्प आजमाने के बाद आखिर में मृत्युदंड पा जाए तो यह मामला देशभर में एक नजिर बन सकता है। इससे उन पुलिसकर्मियों और सरकारी कर्मचारियों को एक सबक मिलेगा, जो अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हैं। पुलिस का मुख्य काम है- लोगों की सुरक्षा करना और कानून के दायरे में रहते हुए अपराधियों को पकड़ना। पुलिसकर्मी को देखकर आम आदमी में सुरक्षा की भावना पैदा होनी चाहिए। वहीं, अपराधियों में डर का माहौल होना चाहिए। क्या ऐसा हो रहा है? अगर आजादी के इतने वर्षों बाद ऐसी पुलिस व्यवस्था है, जो आम आदमी में सुरक्षा की भावना पैदा नहीं कर सकती, तो यह अत्यंत दुर्भाग्य का विषय है। अगर आज अकेला आम आदमी रात को किसी पुलिसकर्मी को देखता है तो डरता है। अगर उस पर कोई मुसीबत आ पड़े और थाने जाना हो तो कई बार सोचता है और ऐसे व्यक्ति को ढूँढता है, जिसकी वहां 'जान-पहचान' हो। फिनलैंड, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, जापान, स्विट्जरलैंड जैसे देशों में पुलिस पर आम लोग बहुत भरोसा करते हैं। वहां पुलिस भी जनता के साथ जुड़कर काम करती है। जनता के साथ सम्मानजनक व्यवहार करना अनिवार्य होता है। उच्च पारदर्शिता के लिए तकनीक का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। इसका नतीजा है- वहां अपराध बहुत कम हैं, जनता में सुरक्षा की भावना है और पुलिसकर्मियों का बहुत सम्मान है। जनवरी 2023 में अमेरिका के सिएटल में भारतीय मूल की एक छात्रा की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। एक पुलिसकर्मी ने उसका मजाक उड़या था। उसकी यह हरकत ऑनलाइन रिकॉर्ड हो गई थी, जिसके सार्वजनिक होने पर भारी हंगामा खड़ा हो गया था। पुलिस विभाग ने उस कर्म की हरकत को बहुत गंभीरता से लिया। उसकी जांच की और नौकरी से निकाल दिया। ऐसे पुलिसकर्मियों को समय पर कठोर दंड मिलना जरूरी है। इससे अन्य कर्म अत्याचार करने से दूर रहेंगे।

ट्वीटर टॉक

सिंगोली, मध्यप्रदेश में आयोजित श्री मजिनेन्द्र 1008 श्री आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं गजस्थ महोत्सव, विश्व शांति महायज्ञ में सम्मिलित होकर मन को असीम शांति तथा आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति हुई।

-आम बिरला

विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर समस्त प्रदेशवासियों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं हैं। हमारा प्रयास होना चाहिए कि स्वास्थ्य सेवाएं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक सुलभता से पहुंचें और वो सिर्फ इसलिए इलाज करवाने से न कतराए कि उसमें खर्चा बहुत है।

-अशोक गहलोत

नांगल मंडल में विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर आयोजित वार्ड 14 की वार्ड कार्यशाला में उपस्थित देवतुल्य कार्यकर्ताओं को भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई।

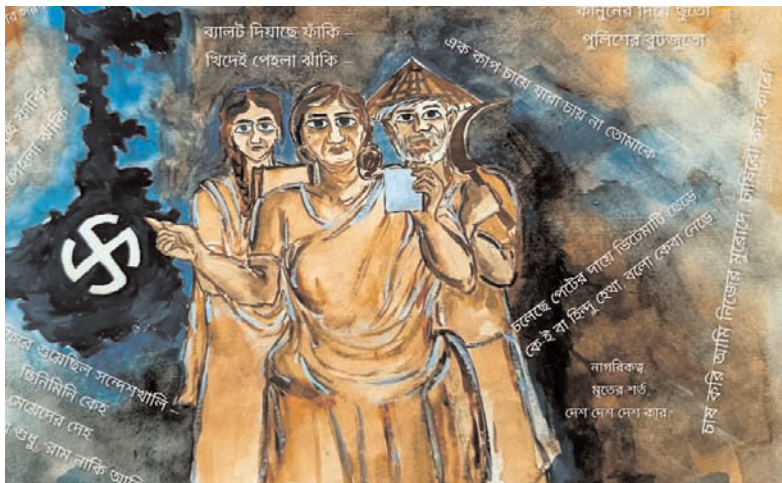
-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

समय की सूझबूझ का साहस

कावेरी नदी में भयंकर बाढ़ आई हुई थी। दो-चार फुट जल और बढ़ने पर कृष्णराज सागर बांध क्षतिग्रस्त होने की आशंका थी, जिससे जन-धन की भारी तबाही हो सकती थी। विश्व प्रसिद्ध इंजीनियर विश्वेश्वरैया ने अपने अधीनस्थ सभी इंजीनियरों की आपात बैठक बुलाई और विचार-विमर्श किया कि जल के वेग को बढ़ने से कैसे रोका जाए। सभी इंजीनियर एक स्वर में बोले कि यदि बांध के सबसे नीचे लगे दरवाजे खोल दिए जाएं तो जल का वेग कम हो जाएगा। अब प्रश्न था, लबाबल भरे बांध के नीचे जोकर दरवाजे खोलें कौन? उसमें जान का जोखिम था। सब एक-दूसरे का मुंह ताकने लगे। इतने में मैकेनिकल इंजीनियर भालचंद्र पंत केतकर ने खड़े होकर विश्वेश्वरैया से कहा कि, 'श्रीमान! मझे आदेश दीजिए, मैं दरवाजे खोल सकता हूँ।' पर ऐसा आदेश देने के लिए अपने हाथों को खोलना दरवाजे खोलने जितना ही कठिन था। अतः विश्वेश्वरैया कुछ कह न सके। किंतु केतकर बिना उत्तर मिले तैर गति से दरवाजे खोलने के लिए दौड़ पड़े। उनकी देखादेखी लोके पीछे नौ-दस जवान और दौड़ पड़े। सबने मिलकर सूझ-बूझ से दरवाजे खोल दिए।

सामयिक



बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष कराना चुनाव आयोग के सामने बड़ी चुनौती है। यहाँ रक्तंजित चुनाव से इंकार नहीं किया जा सकता। प्रमुख दलों ने अभी से बड़ी बड़ी रैलियों का आगाज कर प्रचार शरू कर दिया है। पार्टियों में रोज ही मारकाट होती है। एक दूसरे पर हमले हो रहे हैं। बीजेपी जिस तरह से ममता बनर्जी को हिंदुत्व के मुद्दे पर घेरने में जुटी है, उसके जवाब में ममता बनर्जी बंगाल की अस्मिता का मुद्दा बना सकती है।

बंगाल में रक्तंजित चुनाव की आहट

बाल मुकुन्द ओझा

नोबाइल : 8949519406

पश्चिम बंगाल में चुनाव की रणभेरी बज उठी है। पश्चिम बंगाल की कुल 294 विधानसभा सीटों के लिए होने वाला यह महासंग्राम दो चरणों में संपन्न होगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को संपन्न होगा, जबकि दूसरे चरण की वोटिंग 29 अप्रैल को रखी गई है। चुनाव के नतीजे और मतगणना 4 मई को होगी, जिससे यह स्पष्ट हो जाएगा कि बंगाल की सत्ता किसके पास जाएगी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में सबसे ज्यादा और भीषण चुनावी संघर्ष बंगाल में होने जा रहा है। एसआइआर से लेकर अलग-अलग मुद्दों पर हिंसा हो रही है। तृणमूल के एक नेता ने स्टीम रोलर चलाकर मार डालने का भी बयान दिया है। नेताओं पर हमले शुरू हो चुके हैं। तृणमूल पर हिंसा भड़काने के आरोप हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी कमान संभाल ली है। उनके दौरे शुरू हो चुके हैं। मोदी

ने लोगों से बंगाल में ममता के जंगलराज को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री ने अपनी इन रैलियों में घुसपैठ तथा कानून व्यवस्था को भाजपा के मुख्य चुनावी मुद्दों के रूप में सामने रखा। यह चुनाव ममता और मोदी के मध्य सीधी जंग है। दोनों और से चुनाव की दुंदुभी बज चुकी है। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के लिए यह करो और मरो का चुनाव है। दोनों ही पार्टियां साम दाम दंड भेद के साथ चुनावी संघर्ष में कूद चुकी हैं। ओवैसी और हुनायु कबीर का गठजोड़ इस बार मुस्लिम वोटों को ममता से छीनने के प्रयास में जुटा है जिसका सीधा नुकसान ममता की पार्टी को होगा। इसी बीच अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने कहा है कि यदि पार्टी जिम्मेदारी देती है तो वह पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बनने को तैयार हैं। उन्होंने ममता सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया और घुसपैठ व प्रशासनिक निष्पक्षता पर सवाल उठाए।

मतदान की तिथियां जैसे-जैसे नजदीक आ रही हैं वैसे वैसे भाजपा और टीएमसी के बीच सियासी टकराव बढ़ता ही जा रहा है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव की सियासी जंग फलत करके के लिए अपना एजेंडा सेट कर

लिया है तो टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी अपनी सत्ता को बचाए रखनी की कवायद में है। देश की सत्ता पर भाजपा तीसरी बार काबिज है, लेकिन बंगाल में अभी तक कमल नहीं खिल सका है। नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा को बंगाल में उम्मीद की किरण दिखाई दी है, जिसके चलते 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले ममता बनर्जी के सियासी दुर्ग में भाजपा अपनी सियासी बेस को बनाने की एक्सरसाइज शुरू कर दी है। बंगाल में एनडीए का मतलब भाजपा और इंडिया गठबंधन का अर्थ टीएमसी है। लोकसभा और विधान सभा में कांग्रेस और कम्युनिष्टों का सूपड़ा साफ हो चुका है। बंगाल में एनडीए का मतलब भाजपा और इंडिया गठबंधन का अर्थ टीएमसी है। लोकसभा और विधान सभा में कांग्रेस और कम्युनिष्टों का सूपड़ा साफ हो चुका है। ममता इंडिया में जरूर हैं मगर बंगाल के चुनाव में किसी भी सहयोगी पार्टी को पास फटकने नहीं दे रही है। एनडीए में भाजपा को छोड़कर किसी सहयोगी दल का अस्तित्व नहीं है। ऐसे में भाजपा और टीएमसी में सीधा मुकाबला होने जा रहा है। ममता बनर्जी अपनी सत्ता बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं तो भाजपा ममता की बातों को धराशाही करने के लिए कमर कस ली है।

बंगाल का चुनाव बेहद दिलचस्प और धूम धड़ाके वाला होगा और पूरे देश की निगाह इस पर टिकी होगी। बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष कराना चुनाव आयोग के सामने बड़ी चुनौती है। यहाँ रक्तंजित चुनाव से इंकार नहीं किया जा सकता। प्रमुख दलों ने अभी से बड़ी बड़ी रैलियों का आगाज कर प्रचार शरू कर दिया है। पार्टियों में रोज ही मारकाट होती है। एक दूसरे पर हमले हो रहे हैं। बीजेपी जिस तरह से ममता बनर्जी को हिंदुत्व के मुद्दे पर घेरने में जुटी है, उसके जवाब में ममता बनर्जी बंगाल की अस्मिता का मुद्दा बना सकती है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भी ममता बनर्जी ने बीजेपी के हिंदुत्व पॉलिटिक्स के सामने मां, माटी और मानुष के भरोसे सियासी जंग फतह करने में कामयाब रहीं। बीजेपी 2026 के चुनाव में जिस तरह हिंदुत्व के मुद्दे को धार देने में जुटी है, उसके चलते माना जा रहा है कि ममता बनर्जी फिर से बंगाल अस्मिता वाले हथियार का इस्तेमाल कर सकती हैं। चुनावी ज्योतिषियों और न्यूज चैनलों के सर्वे के मुताबिक भाजपा ने इस बार अपनी स्थिति में सुधार किया है। भाजपा ममता को इस चुनाव में धराशाही करदे तो कोई आश्चर्य नहीं होगा।

नजरिया

ट्रम्प और अमेरिका : नेतृत्व बनाम भाषा की मर्यादा

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लोकतंत्र केवल संस्थाओं, चुनावों और नीतियों का नाम नहीं है; वह एक जीवित संस्कृति है, जिसमें शब्दों का संयम, विचारों की गरिमा और व्यवहार की मर्यादा ही उसकी आत्मा बनती है। जब सत्ता के शिखर पर बैठे लोग अपनी वाणी का संतुलन खो देते हैं, तब उसका प्रभाव केवल राजनीतिक विमर्श तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज की चेतना, संवाद की संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं तक गहराई से उतर जाता है। सत्ताधीशों की मर्यादा का प्रश्न इसी गूढ़ सत्य से जुड़ा हुआ है कि सत्ता जितनी ऊँची होती है, उससे अपेक्षित आचरण उतना ही संयमित, संतुलित और सभ्य होना चाहिए। आज वैश्विक राजनीति में जिस प्रकार की भाषा और व्यवहार देखने को मिल रहा है, वह चिंता का विषय बनता जा रहा है। शब्द, जो कभी संवाद का सेतु होते थे, अब विभाजन की दीवार बनते जा रहे हैं। सार्वजनिक मंचों पर नेताओं द्वारा प्रयुक्त अपशब्द केवल व्यक्तिगत असंयम का परिचायक नहीं होते, बल्कि वे उस राष्ट्र की छवि को भी प्रभावित करते हैं, जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। जब कोई शक्तिशाली देश का नेता असंतुलित भाषा का प्रयोग करता है, तो उसका असर दूर-दूर तक फैलता है, वह अंतरराष्ट्रीय संबंधों में कटुता घोलता है, कूटनीतिक प्रयासों को कमजोर करता है और शांति की संभावनाओं को धूमिल करता है।

वाणी का प्रभाव केवल क्षणिक नहीं होता, वह दीर्घकालिक परिणाम उत्पन्न करता है। इतिहास गवाह है कि शब्दों ने युद्धों को जन्म दिया है और शब्दों ने ही शांति के द्वार भी खोले हैं। एक संयमित और सुसंस्कृत भाषा जहां आशा, विश्वास और सहयोग की भावना को जन्म देती है, वहीं कटु और अपमानजनक शब्द अविश्वास, घृणा और संघर्ष को जन्म देते हैं। जब किसी राष्ट्र का नेता सार्वजनिक रूप से दूसरे देश या उसके नागरिकों के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग करता है, तो यह केवल एक बयान नहीं होता, बल्कि वह एक संदेश बन जाता है, एक ऐसा संदेश जो दोनों देशों के संबंधों में विष घोल सकता है। समकालीन संदर्भों में यह चिंता और भी गहरी हो जाती है, क्योंकि आज की दुनिया पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई है। सूचना का प्रवाह तीव्र है, और किसी भी नेता का बयान कुछ ही क्षणों में वैश्विक घर्षा का विषय बन जाता है। ऐसे में सत्ताधीशों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे अपनी वाणी को संयमित रखें। दुर्भाग्यवश, कुछ उदाहरण ऐसे सामने आते हैं जहां सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग इस मर्यादा का पालन नहीं कर पाते। उनके शब्दों में आक्रामकता, असहिष्णुता और अस्वेदनशीलता झलकती है, जो न केवल उनके व्यक्तित्व को



छोटा करती है, बल्कि उनके राष्ट्र की गरिमा को भी आहत करती है।

राजनीति में विरोध स्वाभाविक है, मतभेद भी आवश्यक हैं, क्योंकि इन्होंने के माध्यम से लोकतंत्र जीवंत रहता है। लेकिन विरोध और मतभेद का अर्थ यह नहीं कि संवाद की भाषा को दूषित कर दिया जाए। असहमति को अभिव्यक्त करने के लिए भी मर्यादित और शालीन भाषा का प्रयोग किया जा सकता है। जब नेता अपने विरोधियों के प्रति अपशब्दों का प्रयोग करते हैं, तो वे न केवल अपनी गरिमा को गिराते हैं, बल्कि अपने समर्थकों को भी उसी दिशा में प्रेरित करते हैं। इस प्रकार समाज में एक ऐसी प्रवृत्ति जन्म लेती है, जहां संवाद की जगह आरोप-प्रत्यारोप और अपमान का बोलबाला हो जाता है। सत्ताधीशों की भाषा समाज के लिए एक आदर्श का कार्य करती है। आम जनता अपने नेताओं को देखकर सीखती है, उनके शब्दों को दोहराती है और उनके व्यवहार को अपनाती है। यदि नेता संयमित और मर्यादित भाषा का प्रयोग करेंगे, तो समाज में भी संवाद की संस्कृति सुदृढ़ होगी। लेकिन यदि वे स्वयं ही असंयमित और आक्रामक भाषा का प्रयोग करेंगे, तो यह प्रवृत्ति समाज में भी फैल जाएगी। परिणामस्वरूप, सामाजिक सौहार्द कमजोर होगा, आपसी विश्वास कम होगा और संवाद की संस्कृति क्षीण होती जाएगी।

यह भी समझना आवश्यक है कि सत्ता का अर्थ केवल अधिकार नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व भी है। सत्ताधीशों के पास निर्णय लेने की शक्ति होती है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वे उस शक्ति का प्रयोग किस प्रकार करते हैं। उनके शब्द, उनके निर्णय और उनका व्यवहार, वे सभी मिलकर उनकी नेतृत्व क्षमता को परिभाषित करते हैं। एक सच्चा नेता वही होता है, जो कठिन परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखे, जो उकसावे के बावजूद अपनी भाषा की मर्यादा न छोड़े और जो अपने शब्दों के माध्यम से समाज को जोड़ने का कार्य करे, न कि तोड़ने का। आज आवश्यकता इस बात की है कि वैश्विक राजनीति में संवाद की एक नई संस्कृति विकसित की जाए, एक ऐसी संस्कृति, जिसमें असहमति हो सकती है, लेकिन असम्मान न हो, जिसमें आलोचना हो सकती है, लेकिन अपमान न हो, जिसमें प्रतिस्पर्धा हो सकती है, लेकिन कटुता न हो। यह

तभी संभव है, जब सत्ताधीश स्वयं अपने आचरण से एक उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्हीं यह समझना होगा कि उनके शब्द केवल उनके व्यक्तिगत विचार नहीं हैं, बल्कि वे उनके राष्ट्र की आवाज हैं।

वर्तमान समय में जब विश्व अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, चाहे वह युद्ध हो, आर्थिक संकट हो या पर्यावरणीय समस्याएं ऐसे में नेतृत्व की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। इन चुनौतियों का समाधान केवल शक्ति के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि संवाद, सहयोग और समझदारी से ही संभव है। और संवाद की पहली शर्त है- मर्यादित भाषा। यदि संवाद ही कटु और अपमानजनक हो, तो सहयोग की संभावना कैसे विकसित हो सकती है? यह भी ध्यान देने योग्य है कि अपशब्दों का प्रयोग केवल तत्कालिक राजनीतिक लाभ के लिए किया जाता है, लेकिन उसके दीर्घकालिक दुष्परिणाम होते हैं। इससे समाज में घृणीकरण बढ़ता है, लोगों के बीच विभाजन गहराता है और लोकतंत्र की मूल भावना कमजोर होती है। इसलिए हमें आवश्यक है कि सत्ताधीश अपने अत्यंतकालिक लाभ से ऊपर उठकर दीर्घकालिक हितों को ध्यान में रखें और अपनी भाषा को संयमित रखें।

सत्ताधीशों की मर्यादा केवल एक नैतिक आग्रह नहीं, बल्कि एक सामाजिक आवश्यकता है। यह लोकतंत्र की आत्मा को सुरक्षित रखने का माध्यम है, यह समाज में सौहार्द और विश्वास को बनाए रखने का आधार है, और यह वैश्विक शांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब सत्ता के शिखर पर बैठे लोग अपनी वाणी में संयम और मर्यादा का पालन करेंगे, तभी समाज में भी संवाद की संस्कृति सुदृढ़ होगी, और तभी लोकतंत्र अपनी वारसत्विक सार्थकता को प्राप्त कर सकेगा। क्योंकि वारसत्व में शब्द ही वह माध्यम हैं, जिनके द्वारा हम अपने विचारों को व्यक्त करते हैं, अपने संबंधों को बनाते हैं और अपने समाज की दिशा को निर्धारित करते हैं। यदि शब्द मर्यादित होंगे, तो समाज भी मर्यादित होगा और यदि शब्द संयमित होंगे, तो भविष्य भी संतुलित और समृद्ध होगा।

महत्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor: Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act). Group Editor - Shreekanth Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No. RNI No.: TNHN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाचिक, वर्णिक, टैडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धमकाई का व्यक्त करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी यह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उपायों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूर्ण नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिक को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वजन घटाने वाली दवाओं की आसान उपलब्धता से चिकित्सक एवं अधिकारी चिंतित

नई दिल्ली/भाषा। कीमतों में कमी आने के साथ ही जीएलपी-1 आधारित वजन घटाने वाली दवाओं के जेनेरिक संस्करण बाजार में आसानी से मिलने लगे हैं, जिससे चिकित्सक और अधिकारी चिंतित हैं। चिकित्सक के पंचों पर ही मिलने वाली दवाएं अब बिना पर्चों के ही खरीदी जा सकती हैं और इनका इलाज अन्य उपयोग भी बढ़ रहा है।

अपना वजन जल्दी घटाने के इच्छुक कई लोगों के लिए, त्वरित परिणामों का वादा सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर हावी हो रहा है। इस संबंध में महत्वपूर्ण कारकों— जैसे सही खुराक, संभावित दुष्प्रभाव और चिकित्सक की देखरेख की आवश्यकता— को नजरअंदाज किया जा रहा है। इसके बजाय, सोशल मीडिया पर गढ़ी जा रही कहानियां और जुबानी प्रचार के कारण ऐसी दवाओं की मांग बढ़ रही है। इससे एक समानांतर खुदरा नेटवर्क विकसित हो रहा है, जो विशेषज्ञों से सलाह की आवश्यक प्रक्रिया से गुजरने बिना इन दवाओं का उपयोग करने के लिए कुछ श्रावकों की तत्परता का लाभ उठाने के लिए तैयार है। उचित चिकित्सकीय परामर्श के साथ ही ऐसी दवाओं के

इस्तेमाल की चेतावनी दिए जाने के बावजूद, ये बिना पर्चों के या ऑनलाइन उपलब्ध हैं। एक खुदरा विक्रेता ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि अनुसूची 'एच' की दवाएं केवल पर्चों के आधार पर ही बेची जानी चाहिए, लेकिन इन्हें दुकानों से प्राप्त करना मुश्किल नहीं है। उन्होंने कहा, कई मामलों में, फार्मासिस्ट पहली बार दवा बेचने के लिए पर्चों की मांग करते हैं, लेकिन दोबारा बेचने के लिए पर्चों की मांग नहीं करते।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि जीएलपी-1 आधारित वजन घटाने वाली दवाओं के कई दुष्प्रभाव होते हैं। इनमें मतली और उल्टी से लेकर गुर्दे की क्षति और आंज अवरोध जैसी गंभीर जटिलताएं शामिल हैं। भारत में, इन्हें केवल विशेषज्ञ चिकित्सक ही लिख सकते हैं। हाल ही में भारतीय बाजार में कई प्रकार की जीएलपी-1 दवाओं के आने और फार्मेशियों, ऑनलाइन मंचों, थोक विक्रेताओं और स्वास्थ्य क्लिनिकों के माध्यम से इनकी आसान उपलब्धता को लेकर चिंताएं बढ़ने के बाद, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने इनकी अनधिकृत बिक्री और प्रचार पर

रोक लगाने के लिए अपनी नियामक निगरानी तेज कर दी है। सरकार ने ऐसी गतिविधियों के खिलाफ सख्त जांच और निगरानी की चेतावनी दी है। दिल्ली के इंदरप्रस्थ अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ डक्टर समर्थ भट्टाचार्य ने बताया कि तिरजेपाटाइड (मोंजारी) और सेमान्लाइड (ओजेम्पिक) इंजेक्शन का पिछले एक दशक से अमेरिका और यूरोप में व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है, लेकिन ये भारत में पिछले साल पेश किए गए। उन्होंने कहा कि इनके बाजार में आने के बाद से, वजन कम करने और रक्त शर्करा नियंत्रण में सुधार करने में इनकी स्पष्ट प्रभावकारिता और सुरक्षा सिद्ध हुई है। हालांकि, इनकी बढ़ती लोकप्रियता ने दुरुपयोग को लेकर चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। इन दवाओं के इस्तेमाल से जुड़ी एक चिंता इनकी उच्च लागत थी, जिसके कारण इलाज का खर्च वहन कर सकने वाले कुछ ही मरीज इन दवाओं का उपयोग कर पाते थे। भट्टाचार्य ने बताया कि अब यह बाधा दूर हो रही है और पेटेंट की हाल ही में समाप्ति के बाद कई भारतीय कंपनियों ने इसके किफायती संस्करण पेश किए हैं।



पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और ऑल इंडिया तुण्मूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी मंगलवार को उत्तर 24 परगना के बंगांव में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले एक सार्वजनिक बैठक के दौरान लोक कलाकारों के साथ नृत्य करती हुईं।

दीक्षांत समारोह



मंगलवार को पटना के रवींद्र भवन में इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह के दौरान छात्र इकट्ठा हुए।

'रफल दुनाली' में रेवती माहुरकर ने सबका ध्यान खींचा

मुंबई/एजेन्सी। स्क्रीन पर अपने एक्सप्रेसन्स का ऐसा रंग दिखाया है, जो उनके अंदर छिपे एक्शन की ताकत को साफ दिखता है। रेवती कहती हैं, रफल दुनाली मेरे लिए काफी अलग है। इसमें मासी और हाई-एनर्जी वाइब तो हैं ही, लेकिन सबसे ज्यादा एक्साइटमेंट मुझे परफॉर्म करने में आया। सिर्फ सिंक करना, इमोशंस दिखाना और एक देसी लुक में नजर आना। इस गाने में मैंने अपने एक्सप्रेसन्स को एक नए तरीके से एक्सप्लोर किया, जो मुझे बहुत पसंद आया। अब मैं चाहती हूँ कि लोग मुझे सिर्फ म्यूजिक वीडियो तक लिमिटेड न देखें, बल्कि एक ऐसी परफॉर्मर के रूप में पहचानें जो एक्टिंग भी कर सकती है और किरदारों को जी सकती है। फिल्म प्रोड्यूसर्स के साथ बातचीत भी शुरू हो चुकी है, और साफ है कि रेवती माहुरकर अब एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रफल दुनाली उनके इस नए सफर की एक मजबूत और धमाकेदार शुरुआत साबित हो सकती है।

राजपाल यादव की वित्तीय स्थिति के बारे में टिप्पणी के बाद सलमान खान ने उनका समर्थन किया

मुंबई/भाषा। मुंबई में एक पुरस्कार समारोह में अभिनेता राजपाल यादव की वित्तीय परेशानियों का मजाक उड़ाए जाने पर विवाद खड़ा होने के बाद अभिनेता सलमान खान ने मंगलवार को उनके प्रति समर्थन जताया। यादव ने रविवार रात चेतक स्क्रीन अवॉर्ड्स में हिस्सा लिया, जहां प्रस्तोता सौरभ द्विवेदी ने अभिनेता से जुड़े नौ करोड़ रुपये के चेकबाउंस मामले पर टिप्पणी की। इस मामले में यादव को कुछ समय के लिए जेल जाना पड़ा था। बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। खान ने यादव के आधिकारिक हैंडल को टैग करते हुए कहा कि दिग्गज अभिनेता यादव लगभग 30 वर्ष से फिल्म निर्माताओं के बीच उनकी भारी मांग रही। खान ने लिखा, काम तो आपको बहुत मिलेगा और इसी डॉलर रेट पर मिलेगा और मिलता रहेगा। हकीकत ये है। उन्होंने कहा, और ये याद रखना कि कभी-कभी फ्लो में कुछ बाते निकल जाती हैं। आपको (पैसे) लौटाने ही हैं (जवाब मत दो), इसे ध्यान में रखो और दिल से काम करो। डॉलर ऊपर जाए या नीचे, इससे क्या फर्क पड़ता है, भुगतान तो भारत में ही होना है। यादव सलमान खान के साथ मुझसे शादी करोगी और पार्टनर जैसी फिल्मों में कर चुके हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने फरवरी में चेक बाउंस मामले में और समय देने की यादव की याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया था। यह मामला 2012 में आई उनकी फिल्म अला पता लापता के लिए लिए गए पांच करोड़ रुपये के कर्ज से जुड़ा था, जो अब बढ़कर नौ करोड़ रुपये हो गया है। उन्हें अंतरिम जमानत मिलने से पहले लगभग 13 दिन तिहाड़ जेल में बिताने पड़े। सौरभ द्विवेदी और कॉमेडियन जाकिर खान संयुक्त रूप से पुरस्कार समारोह का संचालन कर रहे थे। इस दौरान यादव ने अमेरिका-इजराइल के ईरान के खिलाफ युद्ध के कारण जारी तेल संकट और उससे वैश्विक मुद्रा में आए उतार-चढ़ाव पर बात की। इस पर द्विवेदी ने टिप्पणी की, राजपाल भाई, डॉलर-रूपया

अभिनेत्री सोमी अली ने दिवंगत दिव्या भारती की ईमानदारी और बेबाकी को किया याद

मुंबई/एजेन्सी। अभिनेत्री सोमी अली ने 5 अप्रैल को दिवंगत सुपरस्टार दिव्या भारती की 33वीं पुण्यतिथि पर उन्हें सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दी। अपनी दोस्त दिव्या को याद करते हुए अभिनेत्री ने उन्हें असाधारण प्रतिभा का प्रतीक बताया। 90 के दशक के एक फोटोशूट की दिव्या की तस्वीर साझा करते हुए सोमी ने लिखा, तुम्हें बहुत याद कर रही हूँ! तुम्हारी आत्मा को शांति मिले, मेरी दोस्त। हमने एक खूबसूरत युवती और असाधारण प्रतिभा की प्रतीक को



दिव्या ने अपने छोटे से करियर में शाहरुख खान और ऋषि कपूर जैसे

दिव्या को याद करते हुए सोमी ने लिखा, तुम्हें बहुत याद कर रही हूँ! तुम्हारी आत्मा को शांति मिले, मेरी दोस्त। हमने एक खूबसूरत युवती और असाधारण प्रतिभा की प्रतीक को

अनन्या पांडे अमिनीत फिल्म 'चांद मेरा दिल' मई में रिलीज होगी

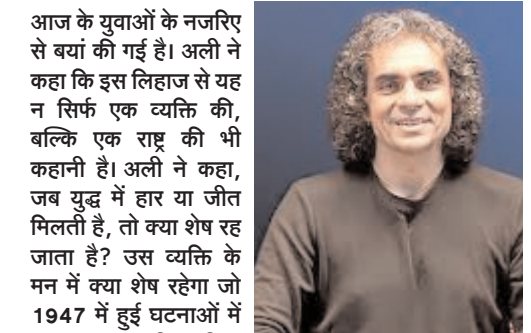
नई दिल्ली/भाषा। अनन्या पांडे और लक्ष्य अभिनीत फिल्म 'चांद मेरा दिल' 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है और करण जोहर के बैनर धर्मा प्रोडक्शंस के तहत इसका निर्माण किया गया है। फिल्म निर्माताओं ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए यह खबर साझा की। अनन्या ने लिखा था, पेश है एक ऐसी प्रेम कहानी जिसे... जिंदगी प्यार से भी तेज रफ्तार से भागती है। 'चांद मेरा दिल' सिनेमाघरों में 22 मई, 2026 को रिलीज होगी। लक्ष्य और अनन्या ने भी आगामी फिल्म के पोस्टर अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किए।



असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनीकी भुयान शर्मा मंगलवार, 7 अप्रैल, 2026 को गुवाहाटी में असम विधानसभा चुनाव से पहले, जायकुबारी के तहत अजारा और धीरेनपारा के निवासियों से बातचीत करती हुईं।

'मैं वापस आऊंगा' बंटवारे और किशोरावस्था की कोमल यादों का पिटारा है : इम्तियाज

नई दिल्ली/भाषा। मृत्युशय्या पर पड़ी एक बुजुर्ग महिला के जेहन में खौफनाक सपना है, सारी घड़ी उसका साथ छोड़ चुकी है। लेकिन इस घड़ी में भी उसे केवल एक चीज याद है: उसकी गुड़िया। शायद वो उस गुड़िया को अपने घर में छोड़ आयी थी जो अब पाकिस्तान में है। एक बूढ़े आदमी को केवल अपनी किशोरावस्था के अधूरे प्यार की याद है। इन छोटी-छोटी कहानियों में निर्देशक इम्तियाज अली को देश के विभाजन पर आधारित फिल्म में वापस आऊंगा को बुनने में मदद की। अली ने 'पीटीआई-भाषा' को अपनी नई फिल्म के बारे में बताया, अगर मेरे पास विभाजन पर कहने के लिए कुछ अनूठा न होता, तो मैं कभी भी इस विषय पर फिल्म नहीं बनाता। अली ने कहा, 'अली ने कहा कि इस लिहाज से यह न सिर्फ एक व्यक्ति की, बल्कि एक राष्ट्र की भी कहानी है। अली ने कहा, जब युद्ध में हार या जीत मिलती है, तो क्या शेष रह जाता है? उस व्यक्ति के मन में क्या शेष रहेगा जो 1947 में हुई घटनाओं में कुछ बदलाव किए बिना इस दुनिया को अलविदा नहीं कह सकता? अली ने कहा कि व्यापक स्तर पर देखा जाए तो विस्थापन पूरी दुनिया के लिए इस सदी की सबसे महत्वपूर्ण घटना है। उन्होंने कहा कि भारतीय उपमहाद्वीप में अब तक की सबसे महत्वपूर्ण घटना विभाजन है। उन्होंने कहा, लेकिन 78 साल बाद, जब बहुत सी बातें याद नहीं रह गई हैं, तो जो बात सबसे गहराई से याद रहती है, वह है किशोरावस्था की कोमलता और वो रोमांस जिसमें हम 1947 में जाने पर लौट जाते हैं। इसलिए यह एक ऐसी ही कहानी है। विभाजन की कहानियों में उनकी रुचि



आज के युवाओं के नजरिए से बयां की गई है। अली ने कहा कि इस लिहाज से यह न सिर्फ एक व्यक्ति की, बल्कि एक राष्ट्र की भी कहानी है। अली ने कहा, जब युद्ध में हार या जीत मिलती है, तो क्या शेष रह जाता है? उस व्यक्ति के मन में क्या शेष रहेगा जो 1947 में हुई घटनाओं में कुछ बदलाव किए बिना इस दुनिया को अलविदा नहीं कह सकता? अली ने कहा कि व्यापक स्तर पर देखा जाए तो विस्थापन पूरी दुनिया के लिए इस सदी की सबसे महत्वपूर्ण घटना है। उन्होंने कहा कि भारतीय उपमहाद्वीप में अब तक की सबसे महत्वपूर्ण घटना विभाजन है। उन्होंने कहा, लेकिन 78 साल बाद, जब बहुत सी बातें याद नहीं रह गई हैं, तो जो बात सबसे गहराई से याद रहती है, वह है किशोरावस्था की कोमलता और वो रोमांस जिसमें हम 1947 में जाने पर लौट जाते हैं। इसलिए यह एक ऐसी ही कहानी है। विभाजन की कहानियों में उनकी रुचि

शायद सआदत हसन मंटो, इस्मत चुगताई और कुरुतुलैन हैदर जैसे लेखकों की रचनाओं से शुरू हुई। यह रुचि उनकी फिल्मों जब बी टैट, लव आज कल, हाईवे, सॉकरस्टार और उनकी आखिरी हिट फिल्म अमर सिंह चमकीला के लिए पंजाब, हिमाचल और दिल्ली की व्यापक यात्राओं के दौरान और भी बढ़ी। इसी दौरान, उन्हें विभाजन के समय विस्थापित हुए लोगों से मिलने और उनकी कहानियां सुनने का मौका मिला। अली ने कहा, उनमें से एक कहानी एक बुजुर्ग महिला के बारे में है जो अपनी मृत्युशय्या पर पड़ी है, उसकी याददाश्त चली गई है और जल्द ही दुनिया को अलविदा कहने वाली है। विभाजन को 78 साल बीत चुके हैं। और यह बस हर किसी से यही पूछती है— क्या तुमने गुड़िया को संदूक में रख दिया है? फिल्मकार को ये व्यक्तिगत किस्से बेहद महत्वपूर्ण, मानवीय और मनोरंजक लगे। फिल्म में

कम्फर्ट और पर्सनैलिटी ही मेरे लिए फैशन : सहर बंबा

मुंबई/एजेन्सी। आर्यन खान के सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में लीड रोल निभाने वाली एक्ट्रेस सहर बंबा ने कहा कि वह इंटरनेट पर फैशन और खुद को फैशन एक्सपर्ट बताने वालों के साथ ही ट्रोल्स का भी बिल्कुल प्रेशर नहीं लेतीं। एक फैशन इवेंट के एडिशन में शिवाजी निरुपम के लिए शो स्टॉपर के रूप में रैंप वॉक करती हुई सहर बंबा नजर आईं, जहां उन्होंने आईएनएस से खास बातचीत में अपने विचार साझा किए। वह फैशन के प्रेशर से कैसे निपटती हैं? इस सवाल के जवाब में सहर ने कहा, अगर आप हर बार घर से निकलते समय यह सोचते रहेंगे कि मेरे ड्रेस से क्या फैशन को देखकर कोई कुछ लिख देगा या ट्रोल्स करेगा, तो आप खुद पर बेयज बहुत ज्यादा प्रेशर डाल रहे हैं। यह सच्चाई है कि लोग कमेंट करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इसान को बस साफ-सुथरा और प्रेजेंटेबल दिखना चाहिए। मैं खुद इस बात का बिल्कुल भी प्रेशर नहीं लेती। ब्रांडेड कपड़ों पर खर्च करने के बारे में पूछे जाने पर सहर बंबा ने बताया, मैं बिल्कुल भी ब्रांड कन्शस नहीं हूँ। जब मुझे कोई चीज पसंद आ जाती है, खासकर छुट्टियों या सफर के दौरान, तो मैं उसे खरीद लेती हूँ। जो दिल को अच्छा लगे, वही मेरे लिए फैशन है। मेरी पसंद ऐसी ही है। अपने फैशन स्टाइल के बारे में उन्होंने बताया, मेरे लिए फैशन का मतलब है कम्फर्ट वो कपड़े जो मेरी पर्सनैलिटी का हिस्सा हों और जिनमें मुझे बहुत ज्यादा मेहनत न करनी पड़े। फैशन वो नहीं होना चाहिए जिसके लिए आपको रोजाना परेशान होना पड़े। रैंप वॉक से पहले बैकस्टेज के अनुभव पर बात करते हुए सहर ने कहा कि वह शुरू में बहुत नर्वस थीं। उन्होंने बताया, मैं ज्यादातर बैकस्टेज ही रहती हूँ, लेकिन जैसे ही रैंप पर कदम रखती हूँ और म्यूजिक बजता है, मुझे अच्छा महसूस होने लगता है। इस बार का कलेक्शन बहुत खूबसूरत है। गर्मियों का कलेक्शन होने की वजह से इसमें हल्के और सुंदर रंग हैं। मुझे अपना आउटफिट बहुत पसंद आया।





वैष्णव कॉलेज ने मनाया अपना कॉलेज दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां ब्रारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कॉलेज ने 6 अप्रैल को अपना 61वां कॉलेज दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। यह कार्यक्रम शैक्षणिक उत्कृष्टता, संस्थागत उपलब्धियों तथा विद्यार्थियों की प्रतिभा और क्षमताओं को सम्मानित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर था। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीनाथ फाइन आर्ट्स के विद्यार्थियों द्वारा स्वर्ण विषय पर आधारित एक आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति से हुआ। प्रस्तुतियों अत्यंत कुशल, रचनात्मक और मनमोहक थीं, जिन्होंने विद्यार्थियों की असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

एक ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति प्रदर्शित की गई, जिसमें

शैक्षणिक उपलब्धियों, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों, संकाय की उपलब्धियों तथा शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 के विभिन्न महत्वपूर्ण पड़ावों को दर्शाया गया। यह प्रस्तुति कॉलेज की उत्कृष्टता और समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कॉलेज के सचिव अशोक कुमार मुंडड़ा ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति की सराहना की तथा शैक्षणिक वर्ष के दौरान संस्थान की उपलब्धियों की प्रशंसा की। प्राचार्य डॉ. एस. संतोष बाबू ने कॉलेज-डे रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 की प्रमुख उपलब्धियों को रेखांकित किया गया। मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों, सचिव, प्राचार्य, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं कोषाध्यक्ष-ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी समर्पित सेवा के लिए सम्मानित

किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जे. अरुण ने अपने प्रेरणादायक अनुभवों और जीवन यात्रा को साझा करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल और नैतिक मूल्यों के संतुलन पर जोर देने की आवश्यकता बताई।

मुख्य अतिथि प्रो. बालाजी रामकृष्णन ने एक विचारोत्तेजक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों को उत्कृष्टता प्राप्त करने और समाज के प्रति योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 280 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का समापन कोषाध्यक्ष अशोक केडिया द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।



मामाशाह उदय नारायण शर्मा का विद्यालय परिवार द्वारा स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पाली जिले के सोजत उपखंड के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मुरडावा में आज दो कक्षा

कक्ष के दानवाता चेन्नई व्यासरपाड़ी प्रवासी मामाशाह श्री उदयनारायण शर्मा का अपने पैतृक ग्राम में शुभ आगमन हुआ। प्राचार्य डॉ. नरेंद्र कुमार वैष्णव की अगुवाई में विद्यालय परिवार के समस्त स्टाफ साथियों द्वारा शर्मा का साफा व

माल्यार्पण द्वारा भव्य स्वागत कर मान सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्राध्यापक सुश्री कुसुमलता, महेंद्र सिंह गुर्जर, रामावतार, वरिष्ठ अध्यापक रामकुमार, विनोद कुमार आदि उपस्थित थे।



प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सेलम के शेवापेट में पारसनाथ भवन में भारतीय जैन संघटना सेलम चैप्टर द्वारा वाटर

दिवस के अवसर पर अंजुली प्रोजेक्ट के अंतर्गत एक प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक शांतिलाल मुथा तमिलनाडु अध्यक्ष कमल किशोर

एवं महासचिव राजेश पोकरना के मार्गदर्शन एवं सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया गया। शुभारंभ महानवकार मंत्र के साथ हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के लिए दो श्रेणियों में अनेक प्रतियोगिताएं रखी गईं।

प्रचार



केरल महिला कांग्रेस प्रेसिडेंट जेबी माथेर मंगलवार को नट्टिका में केरल विधानसभा चुनाव से पहले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (णउफ्र) के उम्मीदवार सुनील लालर् के सपोर्ट में चुनाव कैंपेन के दौरान।



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानवसेवा

बेंगलूर के जय मारुति टैपो स्टैंड हंपीनगर एसोसिएशन द्वारा मंगलवार को राम जन्मोत्सव मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए एवं छात्र, पानका वितरण कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। इस मौके पर मुणोत ने कहा कि मैत्री, सद्भावना एवं देशप्रेम का नाम है हिंदू धर्म। हमें गर्व है कि हम हिंदू हैं। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।



मायुमं बेंगलूर के रक्तदान शिविर में 165 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। मारवाड़ी युवा मंच(मायुमं) बेंगलूर द्वारा नारायणा ब्लड बैंक के सहयोग से वरतूर स्थित कृपानिधि डिग्री कॉलेज में मंगलवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 165 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। मायुमं के नए अध्यक्ष

जयप्रकाश अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. बदरुन्निसा एस. ने रक्त दानवाताओं के कार्य की सराहना की। संयोजक शुभम लोहिया ने रक्तदान शिविर की व्यवस्था संभाली। सचिव सीए विनोद गर्ग ने उनके कार्यकाल वर्ष 2026-27 के प्रथम रक्तदान शिविर आयोजन में सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया तथा कृपानिधि कॉलेज व नारायणा हेल्थ ग्रुप का आभार जताया।

कर्नाटक सरकार ने किशोरियों के गर्भधारण के सभी मामलों का ऑडिट अनिवार्य किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। कर्नाटक सरकार ने किशोरियों के गर्भधारण के सभी मामलों का ऑडिट अनिवार्य करने का आदेश मंगलवार को जारी किया, जिसका उद्देश्य 10 से 18 साल तक की लड़कियों के गर्भधारण के अंतर्निहित कारणों को व्यवस्थित रूप से पता लगाना, समीक्षा करना और उनका समाधान करना है। इस आदेश के तहत राज्य में 10 से 18 वर्ष तक की लड़कियों के गर्भधारण का तालुक स्वरूप अधिकारी (टीएचओ) द्वारा ऑडिट अनिवार्य किया गया है। इस कदम का उद्देश्य स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण विभागों के समग्र प्रयासों से ऐसे मामलों की प्रारंभिक पहचान, परामर्श और निवारक उपायों को मजबूत करना है तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) और राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) जैसे मौजूदा कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाना है।

आदेश में कहा गया है, किशोरियां स्वास्थ्य और सामाजिक विभा के विषय बना हुआ है तथा उसका

मातृ स्वास्थ्य, नवजात शिशु के स्वास्थ्य परिणाम और सामाजिक-आर्थिक विकास पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इसमें यह भी बताया गया है कि 10 से 18 वर्ष तक की लड़कियों के गर्भधारण से मातृत्व जटिलताएं एवं प्रतिफल प्रसव परिणाम सामने आते हैं तथा किशोरियों के स्कूल छोड़ने एवं सामाजिक रूप से अलगाव का खतरा बढ़ जाता है। आदेश के अनुसार, राज्य में किशोरियों के गर्भधारण के सभी मामलों की सूचना सरकारी और निजी स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) मंच पर अनिवार्य रूप से दी जानी चाहिए। 'ऑडिट बांचा' के तहत विवाह की आयु, शैक्षिक स्थिति, प्रजनन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, गर्भनिरोधक उपायों की सुलभता और पारिवारिक कमजोरियों समेत कई सामाजिक-चिकित्सा कारकों की जांच की जायेगी। सरकार ने निर्देश दिया कि स्नेहा केंद्रों समेत विभिन्न माध्यम से दी जाने वाली परामर्श सेवाओं, गर्भनिरोधक उपायों की सुलभता और स्कूल छोड़ने वाले किशोरियों, प्रवासियों और सामाजिक रूप से वंचित परिवारों जैसे कमजोर किशोर समूहों तक लक्षित पहुंच को मजबूत किया जाना चाहिए।

पाठक विचार मंच

हिन्दी भाषा नहीं, अपितु भारत की आत्मा है

हिंदी भारत की सबसे प्रमुख संपर्क भाषा, राष्ट्रीय अस्मिता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है, जिसे देश की 43 प्रतिशत से अधिक आबादी बोलती है। यह शिक्षा, प्रशासन, बॉलीवुड, मीडिया और डिजिटल संचार में एक प्रमुख भाषा के रूप में भारतीय संस्कृति को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाती है। यह ज्ञान-विज्ञान की अभिव्यक्ति का माध्यम भी है। हिंदी पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोती है, जो हिंदी भाषी और गैर-हिंदीभाषी राज्यों के बीच संवाद का एक मुख्य जरिया है। हिंदी हमारी समृद्ध संस्कृति, संस्कारों और परंपराओं की संवाहक है। इंटरनेट पर हिंदी सामग्री (कंटेंट) में 94 प्रतिशत की तेजी से वृद्धि हो रही है, जो अंग्रेजी से कहीं ज्यादा है। बॉलीवुड और मीडिया के कारण इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। भारत में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा होने के साथ-साथ यह दुनिया की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है, जो वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देती है। हिंदी महज एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की 'आत्मा' है, जो प्राचीन और आधुनिक के बीच एक सेतु का काम करती है।

► प्राचार्य उमेश पुरोहित, सदस्य, हिंदी सलाहकार समिति, दुबई-धरवाड़।



आनंद तीर्थ महिला परिषद ने कैंसर रोगियों में बांटी आशा और संबल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर आनंद तीर्थ महिला परिषद, चेन्नई द्वारा मानव सेवा का एक अत्यंत प्रेरणादायक एवं करुणामयी उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

उपाध्यय प्रवीणकृष्णिजी म.सा. की प्रेरणा से आयोजित इस सेवा कार्य में समाज में संवेदना, सहानुभूति और मानवता के उच्च आदर्शों को जीवंत रूप दिया। सचिव संगीता गोठी ने बताया कि

कैंसर जैसे गंभीर रोग से जूझ रहे मरीजों के लिए आयोजित इस विशेष सेवा अभियान में परिषद की सदस्यों ने निःस्वार्थ भाव से सेवा करते हुए जरूरतमंदों तक पोषण एवं सहायता पहुंचाई।

यह आयोजन गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ चिल्ड्रेन, एमगोर में संपन्न हुआ, जहां मरीजों को नारियल पानी, फल जैसी पौष्टिक सामग्री वितरित की गई तथा आवश्यक स्कैन हेतु आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि कैंसर रोगियों के लिए इस प्रकार के सेवा कार्य न केवल उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करते हैं, बल्कि उनके जीवन

में आशा, साहस और सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करते हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में परिषद की दानवाता महिलाओं मार्गदर्शक कांता चोरडिया, चंद्रकला श्रीश्रीमाल और अकलबाई नाहर का विशेष रूप से सहयोग रहा।

कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष अकलबाई, उपाध्यक्ष रुपा गेलडा, कंचन चोरडिया, पूर्व अध्यक्ष सविता बेताला, तारा बेताला, सुनीता डब्बा, सरला सिसोदिया, सरला चोरडिया, रमा भंडारी, मंगला भंडारी, ललिता चोरडिया, विद्या नाहर, वीना चोरडिया, रसालबाई सहित अनेक सदस्यों भी उपस्थित रही।



श्री अग्रवाल सभा के प्लेटिनम जुबली समारोह का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री अग्रवाल सभा, चेन्नई अपने 75वें वर्ष पर प्लेटिनम जुबली के शुभारंभ का आयोजन बड़े ही धूमधाम और भक्तिमय वातावरण में किया। इस भव्य समारोह की शुरुआत 5 अप्रैल को एसआरकेके अग्रवाल सभा भवन, अन्नानगर में श्री श्याम बाबा के भव्य कीर्तन के साथ हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ सभा के अध्यक्ष सीताराम गौयल, महासचिव बालगोविंद गुसा

एवं कमेटी सदस्य रामावतार रंगटा ने अपने परिवारजनों के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बाबा की जोत प्रज्वलित की गई तथा श्री गणेश जी के नाम का स्मरण करते हुए श्याम बाबा का विधिवत आगमन कराया गया। इस अवसर पर श्री श्याम बाबा का दिव्य एवं अलौकिक श्रृंगार किया गया, जिसकी छटा अत्यंत मनमोहक रही। बाबा को छपन भोग अर्पित किया गया और इत्र की बोछार से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं सुगंधित हो उठा। अग्रवाल सभा के निमंत्रण पर श्री श्याम सत्संग मंडल

द्वारा इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसे श्याम परिवार ने पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ संपन्न किया। श्री श्याम मंदिर के सभी पदाधिकारी एवं भक्तगण उपस्थित रहे, जिन्होंने भजनों के माध्यम से बाबा का गुणगान करते हुए ऐसा समा बांध दिया कि श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। कार्यक्रम में पधारें सभी श्रद्धालुओं का दुपट्टा भेंट कर हार्दिक स्वागत किया गया। कीर्तन के पश्चात आरती संपन्न हुई, जिसके बाद सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद की भी उत्तम व्यवस्था की गई।

स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



मदुरै में तैरापंथ भवन में एक गरिमामय कार्यक्रम में विद्याधर भूमिनाथन के आगमन पर राजस्थानी समाज के बंधुओं द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। सभी का स्वागत से पूर्व युवा नितेश कोठारी ने किया। तैरापंथ सभा के पूर्व अध्यक्ष अशोक जीरावला ने भूमिनाथन की सादगी, जनसेवा और विकास कार्यों की सराहना करते हुए उनके प्रति समाज की भावनाएं व्यक्त कीं। द्रमुक पार्टी से तमिलनाडु चुनावी समर में उम्मीदवार भूमिनाथन ने सभी प्रवासियों की समस्या को सुना और वोट की अपील की।

स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



मदुरै के आराधना भवन में श्री सुमतिनाथ जैन नया मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में तमिलनाडु सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवाएं मंत्री पी.टी.आर. पलनिवेल त्याग राजन के आगमन पर समस्त उत्तर भारतीय समाज द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर मदुरै उत्तर भारतीय यात्री सेवा संघ के मंत्री अशोक जीरावला जैन द्वारा उन्हें ज्ञानसौपा गया। इस ज्ञानपत्र में मदुरै से राजस्थान के लिए सीधी रेल सेवा प्रारंभ करने तथा विभिन्न ट्रेनों को मदुरै तक विस्तार करने की मांग की गई। इस दौरान जैन समाज, राजस्थान समाज, उत्तर भारतीय समाज एवं विभिन्न संगठनों द्वारा मंत्री का अभिनेदन एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में स्वागत राजेंद्र चोपड़ा एवं महेंद्र छाजेड़ ने किया, मंच संचालन हितेश जैन ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अनिल श्रीमाल ने दिया।